TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 283
रविवार, 03 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर लगी मुहर

नई दिल्ली, 02 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के नतीजों से पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को कानूनी मोर्चे पर बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने मतगणना के दौरान केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को चुनौती देने वाली टीएमसी की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग का सर्कुलर पूरी तरह वैध है और इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के रुख का जोरदार समर्थन करते हुए कहा, EC काउंटिंग स्टाफ को सिर्फ.एक ही पूल (केंद्र सरकार) से चुन सकता है, इसलिए सर्कुलर को गलत नहीं कहा जा सकता। बेंच ने भारत के चुनाव आयोग द्वारा दिए गए इस भरोसे को भी रिकॉर्ड पर लिया कि उसके 13 अप्रैल के सर्कुलर का सख्ती से पालन किया जाएगा।

गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत न मिलने के बाद, TMC ने तेजी से कदम उठाया

और ठीक अगले ही दिन भारत के सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पार्टी ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत से शनिवार को तुरंत सुनवाई करने की गुजारिश की, और बताया कि पश्चिम बंगाल में वोटों की गिनती सोमवार को होने वाली है। TMC ने दलील दी कि चुनाव आयोग का निर्देश काउंटिंग के दौरान पलड़ा किसी एक तरफ झुका सकता है। उसने सवाल उठाया कि ऐसा नियम बिना इसके पीछे की वजह साफ तौर पर बताए क्यों लागू किया गया। पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि आदेश के मुताबिक, हर काउंटिंग टेबल पर कम से कम एक अधिकारी–चाहे वह सुपरवाइजर हो या असिस्टेंट–केंद्र सरकार या किसी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई से होना जरूरी है।

TMC के मुताबिक, इस कदम से काउंटिंग केंद्रों पर स्टाफ की बनावट में साफ तौर पर बदलाव आएगा, क्योंकि केंद्र सरकार से जुड़े अधिकारियों की संख्या बढ़ जाएगी। पार्टी ने कहा कि इससे निष्पक्षता को लेकर चिंताएँ पैदा होती हैं और राजनीतिक पार्टियों के बीच बराबरी के मौके पर असर पड़ सकता है, खासकर तब जब उसकी मुख्य विरोधी पार्टी, BJP, केंद्र में सत्ता में है। TMC ने यह भी बताया कि काउंटिंग एजेंटों के लिए 2023 की हैंडबुक में मौजूदा नियमों के तहत, हर टेबल पर पहले से ही माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त होते हैं और ये अधिकारी आम तौर पर केंद्रीय सेवाओं से होते हैं। पार्टी ने तर्क दिया कि सुपरवाइजर या सहायक के तौर पर और ज्यादा केंद्र सरकार के कर्मचारियों को शामिल करने से एक और परत बन जाती है, जो अनावश्यक है और संभावित रूप से समस्या पैदा कर सकती है।

असम एग्जिट पोल पर कांग्रेस का बड़ा दावा, कहा- बीजेपी के माहौल बनाने वाले जाल में नहीं फंसेंगे

असम, 02 मई। असम विधानसभा चुनाव के वरिष्ठ कांग्रेस पर्यवेक्षकों, जिनमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और जितेंद्र सिंह शामिल हैं, ने 4 मई को आने वाले चुनाव परिणामों से पहले शनिवार को गठबंधन सहयोगियों के साथ बैठक की। विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस ने रायजोर दल, असम जातीय परिषद (एजेपी), सीपीआई (एम), एपीएचएलसी और सीपीआई (एमएल) सहित पांच दलों के साथ गठबंधन किया है। बैठक के बाद असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि इस गठबंधन के असम में अगली सरकार बनाने पर सर्वसम्मति बनी है।

भाजपा के लिए आरामदायक बहुमत की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल को खारिज करते हुए, गोगोई ने इन्हें सत्ताधारी पार्टी द्वारा

अपने पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि चर्चा हुई और प्रतिनिधियों ने कहा कि असम की जनता, किसानों, युवाओं और महिलाओं ने असम में नई सरकार बनाने के लिए अपना वोट डाला है। नतीजे 4 मई को आएंगे। हमें स्ट्रांग रूम पर नजर रखनी होगी। हम सभी को मतगणना के दिन के लिए तैयार रहना होगा। हम सब एकजुट हैं। भाजपा ने एग्जिट पोल के जरिए असम में माहौल बनाने की कोशिश की है, लेकिन हम इस जाल में नहीं फंसने वाले हैं।

चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त डीके शिवकुमार ने भी एग्जिट पोल को खारिज करते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी के डर से मतदाता अपनी सच्ची पसंद बताने से कतरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम में हमारी टीम मजबूत, एकजुट और आत्मविश्वासी है। हमने चुनाव बहुत अच्छे से लड़ा है। एग्जिट पोल के बारे में मीडिया ने जो कुछ भी बताया है, मैं व्यक्तिगत रूप से उस पर विश्वास नहीं करता। असम के मतदाताओं में बहुत डर है। यहां तक कि भाजपा से अलग लोगों को मुफ्त उपहार भी नहीं दिए गए हैं। जब ऐसी स्थिति है, तो कौन सामने आकर बताएगा कि किसने किसे वोट दिया है?

शिवकुमार ने कांग्रेस की जीत पर भरोसा जताया और दावा किया कि संभावित हार के मद्देनजर कुछ भाजपा नेताओं ने कांग्रेस से संपर्क साधा है। उन्होंने कहा कि हमें अपने आंतरिक सर्वेक्षण पर पूरा भरोसा है।

ट्रम्प का दावा: ईरान के साथ युद्ध अब समाप्त, अपना सबसे आधुनिक विमानवाहक मिडिल ईस्ट से वापस बुलाया

अमेरिका, 02 मई। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य तैनाती में बदलाव करते हुए अपने सबसे आधुनिक विमानवाहक पोत वरर Gerald R. Ford को क्षेत्र से वापस बुला लिया है। यह पोत ईरान के खिलाफ ऑपरेशनों में शामिल था और 10 महीनों से अधिक समय तक समुद्र में तैनात रहा। हालांकि, अमेरिका की सैन्य मौजूदगी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। क्षेत्र में अभी भी दो अन्य विमानवाहक पोत वरर Abraaham Lincoln और वरर George H. W. Bush तैनात हैं, जो सुरक्षा स्थिति को देखते हुए सक्रिय रहेंगे। यह तैनाती उस समय शुरू हुई थी जब 2025 में अमेरिका से रवाना होकर यह कैरियर यूरोप, लैटिन अमेरिका और बाद में मिडिल ईस्ट में पहुंचा था, जहां ईरान के साथ बढ़ते तनाव के कारण इसकी

भूमिका महत्वपूर्ण हो गई थी।

इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के साथ युद्ध अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि 7 अप्रैल 2026 के बाद से दोनों देशों के बीच कोई सैन्य झड़प नहीं हुई है और 28 फरवरी से शुरू हुआ संघर्ष अब खत्म हो गया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि 60 दिनों की कानूनी समय सीमा पूरी होने के बाद यह सैन्य कार्रवाई रोक दी गई है, क्योंकि अमेरिकी कानून के तहत कांग्रेस की मंजूरी के बिना लंबे समय तक युद्ध जारी नहीं रखा जा सकता।

हालांकि, कूटनीतिक मोर्चे पर स्थिति अभी साफ नहीं है। ट्रंप ने माना कि ईरान के साथ बातचीत जारी है, लेकिन वे मौजूदा प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को बिखरा हुआ बताते हुए कहा कि वहां एकमत की कमी है, जिससे समझौता करना मुश्किल हो रहा है। अमेरिका का यह कदम क्या संकेत देता है कि वह सैन्य दबाव और कूटनीति दोनों रणनीतियों पर काम कर रहा है। क्षेत्र में तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ।कैरियर की वापसी आंशिक राहत का संकेत, लेकिन पूरी शांति नहीं।

चेन्नई ने मुंबई को प्लेऑफ की रेस से किया बाहर

नई दिल्ली, 02 मई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन की शुरूआत एक बार फिर उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही। हार्दिक पांड्या की अगुआई में टीम लगातार संघर्ष करती दिख रही है और चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध मुकाबले में 159 रन ही बना सकी। नमर धीर (57) ने फिफ्टी लगाई। 160 रन के टारगेट चेन्नई ने 19वें ओवर में चेज कर 8 विकेट से मैच अपने नाम किया। मौजूदा सीजन में यह चेन्नई की 9 मैच में चौथी जीत है। वहीं मुंबई ने 7वीं बार हार का स्वाद चखा है। इस सीजन में चेन्नई ने मुंबई को दूसरी बार हराया है।

160 रन चेज करने उतरी चेन्नई ने पावरप्ले में 2 विकेट गंवा दिए थे। संजू सैमसन (11) को जसप्रीत बुमराह ने और उर्विल पटेल (24) को गजनफर ने आउट किया। इसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 36 गेंदों पर फिफ्टी लगाई। उनके और इम्पैक्ट प्लेयर कार्तिक शर्मा के बीच मैच विनिंग साझेदारी हुई।

चेन्नई का किला माने जाने वाले एमए चिदंबरम स्टेडियम में मुंबई के कप्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। नमन धीर मन धीर (57) ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलकर टीम की लड़खड़ाती पारी को संभाला। नमन धीर ने 34 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और इस सीजन में यह उनका दूसरा अर्धशतक रहा। इससे पहले वह वानखेड़े स्टेडियम में पंजाब किंग्स के विरुद्ध भी शानदार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

मुंबई की शुरूआत एक बार फिर डगमगाई। टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर पहला झटका लगा, जब विल जैक्स महज एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद रियान रिकल्टन और नमन धीर ने पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाई। दोनों ने समझदारी और

आक्रामकता का संतुलन दिखाते हुए दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 58 रन जोड़े।

रिकल्टन ने तेज अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों पर पांच छक्कों की मदद से 37 रन बनाए, लेकिन वह लंबी पारी खेलने में सफल नहीं हो सके। इसके बाद नमन ने सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिए साझेदारी की। दोनों ने 24 गेंदों पर 24 रन जोड़कर टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया।

भारतीय टीम को टी-20 विश्व कप जीताने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 21 रन बनाए। हाल के मैचों में सूर्यकुमार का प्रदर्शन लगातार उतार-चढ़ाव भरा रहा है। इस सीजन में उनके स्कोर 16, 51, 6, 33, 0, 15, 36 और 5 रहे हैं, जिससे उनकी फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। तेज गेंदबाजों के विरुद्ध भी वह संघर्ष करते नजर आए हैं।

वहीं, तिलक वर्मा का बल्ला भी शांत रहा। वह सिर्फ आठ गेंदों में पांच रन बनाकर आउट हो गए, उन्हें नूर अहमद ने पवेलियन भेजा। कप्तान हार्दिक पांड्या भी 18 रन ही बना सके और बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे।

इस मुकाबले में फैंस को एक और निराशा झेलनी पड़ी, क्योंकि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा दोनों ही मैदान पर नजर नहीं आए। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते 12 अप्रैल के बाद से मैच नहीं खेल पाए हैं, जबकि धोनी भी पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं। दोनों दिग्गजों की गैरमौजूदगी ने मुकाबले की चमक कुछ कम कर दी है और प्रशंसकों को उनके मैदान पर लौटने का इंतजार बना हुआ है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित जालसाजी और मानहानि से संबंधित मामले में उन्हें अग्रिम जमानत दिए जाने के फैसले का स्वागत किया और इस राहत को राज्य सत्ता का दुरुपयोग करने वालों के लिए एक चेतावनी बताया। एक्स से बात करते हुए, खेड़ा ने सर्वोच्च न्यायालय और अपनी पार्टी के नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि यह आदेश कानून के शासन को मजबूत करता है।

पवन खेड़ा ने आगे कहा कि मैं माननीय सर्वोच्च न्यायालय का विधि के शासन को कायम रखने के लिए धन्यवाद करता हूँ... मेरी जमानत न केवल मेरी व्यक्तिगत जीत और राहत का स्रोत है, बल्कि राज्य शक्ति का दुरुपयोग करने वालों के लिए एक चेतावनी भी है कि जब तक हम

संवैधानिक लोकतंत्र बने रहेंगे, व्यक्तिगत स्वतंत्रता को राजनीतिक प्रतिशोध के लिए बलिदान नहीं किया जा सकता। झूठ चाहे कितना भी भयानक क्यों न लगे, सत्य की ही जीत होती है। सत्यमेव जयते!

कल ही, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा को कथित तौर पर जाली दस्तावेजों से निशाना बनाने के आरोपों के संबंध में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की।

नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या के आरोपी को मौत की सजा दी जाए: अनिल देशमुख

मुंबई, 02 मई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता अनिल देशमुख ने शनिवार को पुणे जिले में चार वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग की। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों पर यौन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रस्तावित शक्ति अधिनियम को लागू करने के मामले में एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने का भी आरोप लगाया। यह घटना भोर जिले के एक गांव से सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, 65 वर्षीय आरोपी बच्ची को भोजन का लालच देकर बहला-फुसलाकर मवेशियों के बाड़े में ले गया, जहां उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और उसकी हत्या कर दी। इस घटना को बेहद निंदनीय

बताते हुए, देशमुख ने एक्स पर कहा कि महाराष्ट्र दिवस पर इस तरह की शर्मनाक घटना का होना राज्य के लिए उचित नहीं है।

उन्होंने मांग की कि मामले की त्वरित सुनवाई हो और आरोपी को तुरंत फांसी की सजा दी जाए। राकांपा (एसपी) नेता ने दावा किया कि जानकारियों से पता चलता है कि आरोपी ने पहले भी छोटे बच्चों का यौन उत्पीड़न किया है। उन्होंने कहा, ऐसे अपराधी समाज में कैसे खुलेआम घूमते हैं? महा विकास आघाडी सरकार के कार्यकाल में जब मैं गृह मंत्री था, तब हमने शक्ति अधिनियम को मंजूरी दी थी, जिसे केंद्र सरकार से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। उन्होंने कहा, जब राज्य में इस कानून की तत्काल आवश्यकता है, तो केंद्र और राज्य सरकार इसे लागू करने के बजाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर समय बर्बाद कर रहे हैं।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• MHT-CET
• NEET
• Polytechnic & Engg
• JEE (Main & Advance)
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

-ललित गर्ग

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है- क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खचीर्ली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निदेर्शों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है।

यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की ़व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा़ चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंततः यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सार्वजनिक बहस का मुद्दा बनता भारत में शहरी नियोजन

अशोक भाटिया

जब भी हमारे शहरों पर कोई बड़ा संकट आता है तो भारत में शहरी नियोजन का ़अव्यवस्थित़ स्वरूप अक्सर सार्वजनिक बहस का मुद्दा बन जाता है, जैसे कि चेन्नई शहर में आई बाढ़ के बाद हुआ था। चूँकि शहरी नियोजन और इसके प्रवर्तन को आम तौर पर भारत के ़निष्क्रिय़ शहरों के लिए ज़िम्मेदार घोषित कर दिया जाता है, इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि भारत की मौजूदा शहरी नियोजन व्यवस्था के मूलभूत तत्वों की गहन पड़ताल की जाए। हमें भारत में शहरी नियोजन के संस्थागत ढाँचे के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने होंगेः शहर की योजना बनाने का अधिकार किसके पास है? आखिर भारत के शहरी नियोजन के कानून और प्रक्रियाएँ ऐसी क्यों बनाई गई हैं?

हालाँकि भारत की संवैधानिक योजना के अंतर्गत शहरी नियोजन का काम निर्वाचित स्थानीय सरकारों का है, लेकिन नियोजन की यह प्रक्रिया मुख्यतः राज्य सरकार के तहत गैर-प्रतिनिधि नौकरशाही एजेंसियों द्वारा संपन्न की जाती है। यहाँ मैं इस विसंगति के मूलभूत कारणों को उजागर करना चाहूँगा। मैं भारत के शहरी नियोजन संबंधी संस्थानों से संबंधित मूलभूत ऐतिहासिक कारणों का पता लगाना चाहूँगा ताकि यह उजागर किया जा सके कि शहरी नियोजन और ़सुधाऱ को शहर की राजनीति से अलग रखने का औपनिवेशिक तर्क आज भी भारत में नियोजन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित कर रहा है। साथ ही मैं भारतीय शहरों के नियोजन की पुराने ढंग की ऐसी परिपाटी के प्रभावों की भी जाँच करना चाहूँगा।

सन 1992 में भारत की स्थानीय शासन प्रणाली में संवैधानिक सुधारों (73वें और 74वें संशोधन के रूप में) के साथ-साथ भारी परिवर्तन भी किये गए। इन सुधारों के द्वारा ग्रामीण और शहरी स्थानीय सरकारों को ़स्व-शासन की संस्थाओं़ के रूप में काम करने योग्य बनाया गया। 74वें संशोधन में निर्वाचित नगर पालिकाओं को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय और 12वीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध विषयों के लिए योजनाएँ और स्कीमें तैयार करने और लागू करने की शक्ति प्रदान की गई है। 12 वीं अनुसूची में सूचीबद्ध विषयों के अंतर्गत पहले तीन विषय हैं, शहरी नियोजन, जमीन के उपयोग का विनियमन और आर्थिक एवं सामाजिक विकास। इसके अलावा, 74 वें संशोधन के अंतर्गत 1 मिलियन से अधिक आबादी वाले महानगरीय शहरों के लिए, महानगरीय नियोजन समिति (MPC) का गठन अनिवार्य किया गया है। इस समिति में कम से कम दो-तिहाई सदस्य स्थानीय प्रतिनिधि चुनने का प्रावधान है, ताकि महानगर क्षेत्र में स्थानीय निकायों द्वारा तैयार की गई योजनाओं को शामिल करते हुए विकास की योजना तैयार की जा सके। यही कारण है कि व्यापक क्षेत्र के लिए योजना तैयार करने के लिए उत्तरदायी नगर पालिकाओं के साथ शहरी नियोजन के कार्य को भी निर्वाचित नगर पालिकाओं के साथ जोड़ दिया गया।

परंतु यह विकास प्राधिकरण नगर पालिका की सरकार या नगर पालिका के बजाय राज्य सरकार के नियंत्रण में है और इसका मुख्य दायित्व भारत के अधिकांश बड़े शहरों में शहरी नियोजन ही है।

विकास प्राधिकरण ऐसी सांविधिक एजेंसियाँ हैं जो अवसंरचनात्मक विकास और आवासीय परियोजनाओं के साथ-साथ नगर में शहरी नियोजन के लिए भी ज़िम्मेदार हैं। वे ऐसी नौकरशाही की एजेंसियाँ हैं, जिनमें न तो स्थानीय प्रतिनिधित्व होता है और न ही स्थानीय सरकार के प्रति किसी तरह की जवाबदेही होती है। दिल्ली विकास प्राधिकरण या बैंगलोर विकास प्राधिकरण जैसी एजेंसियाँ मास्टर योजनाएँ बनाती हैं, जिनके माध्यम से हर 10-20 साल में शहर में भूमि के उपयोग और विकास का विनियमन किया जाता है।

भारत में शहरी नियोजन की खामी यही रही है कि एक लंबे समय से इसमें स्थानीय लोकतंत्र का अभाव रहा है। भारत की मौजूदा शहरी नियोजन प्रणाली का आधार वे योजना संस्थाएँ और कानून रहे हैं, जिनकी स्थापना साम्राज्यवादी ब्रिटिश सरकार ने सन1886 में बंबई में बुबोनिक प्लेग फैलने पर की थी। ब्रिटिश द्वारा निर्मित अधिकांश शहर दोहरे नगर के रूप में चलते थे। दोनों शहरों में स्पष्ट विभाजन होता था। फोर्ट इलाके में ब्रिटिश रहते थे और देसी कस्बे में भारतीय रहते थे। प्लेग के प्रकोप से पहले तक ब्रिटिश मुख्यतः छावनियों में और उससे जुड़े सिविल लाइंस के इलाकों में रहते थे। लेकिन जब प्लेग ने बंबई की 6 प्रतिशत आबादी को खत्म कर दिया और शहर में व्यावसायिक गतिविधियों को ठप्प कर दिया तो साम्राज्यवादी सरकार को लगा कि उन्हें दखल देने की आवश्यकता है और समग्र रूप में एक शहर के विकास को विनियमित करना होगा।

सन 1898 में बंबई सुधार न्यास का गठन किया गया और उसके आधार पर पूरे ब्रिटिश इंडिया में इस प्रकार की विभिन्न न्यासों का गठन किया गया। बीमारियों के प्रकोप को रोकने के लिए न्यास को यह दायित्व सौंपा गया कि वे बाहरी नियोजन, नई सड़कों का जाल बिछाने, मकानों के निर्माण और भीड़-भाड़ भरे इलाकों में भीड़ को कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ। साम्राज्यवादी सरकार ने महसूस किया कि प्लेग फैलने का मुख्य कारण है, देसी इलाकों में भीड़-भाड़ और गंदगी होना। इसलिए, उन्होंने झोपड़पट्टियों को गिराकर उनमें सुधार लाने के लिए न्यासों को विशिष्ट डोमेन अधिकार प्रदान किये।

बाद में नगर सुधार न्यासों की स्थापना कलकत्ता,लखनऊ, कानपुर,इलाहाबाद,दिल्ली और बैंगलोर जैसे ब्रिटिश नियंत्रण वाले विभिन्न शहरों में की गई। इन न्यासों का संचालन नगर निगमों के समानांतर स्वायत्त रूप में होता था और सन- 1882 में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड रिपन द्वारा जारी किये गए स्थानीय स्व-शासन के प्रस्ताव के बाद ये न्यास आंशिक तौर पर प्रतिनिधि निकाय बन गए। इन न्यासों के संचालन से यह सुनिश्चित हो गया कि साम्राज्यवादी नौकरशाही निर्वाचित नगर निगमों के दखल के बिना ही शहरी विकास के लिए आवश्यक निर्देश दे सकती थी और उन्हें विनियमित भी कर सकती थी। स्थानीय राजनीति से शहरी नियोजन की घेराबंदी की नगर सुधार न्यासों की यह प्रथा स्थायी उत्तर-साम्राज्यवादी विरासत है और बाद में ये न्यास ही विकास प्राधिकरणों के रूप में बदल गए।

हर साल विकास प्राधिकरणों की बढ़ती शक्तियों को विकेंद्रित करके स्थानीय सरकार को सौंपने के संवैधानिक हस्तक्षेपों के बावजूद राज्य में निहित नौकरशाही के ढाँचे को गिराना संभव नहीं हो पाया। 74 वें संशोधन को पारित करने के लगभग तीन दशक के बाद भी शहरी नियोजन और विकास प्राधिकरण को शासित करने वाले विधायी कानूनों में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिनसे नियोजन प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक बनाया जा सका हो। शहरी नियोजन संबंधी अधिकांश कानून 1960 के संघ सरकार के मॉडल टाउन और कंट्री नियोजन कानून पर आधारित रहे हैं और यह कानून ही अपने-आपमें ब्रिटिश टाउन ऐंड कंट्री प्लैनिंग ऐक्ट ऑफ 1947 पर आधारित है। इन कानूनों से ही केंद्रीकृत और टॉप-डाउन नियोजन प्रणाली विकसित हुई है और यह प्रणाली स्थानीय सरकार से संबद्ध नहीं है और इनमें आम लोगों की भागीदारी की बहुत कम गुंजाइश है।

भारतीय शहरों की मास्टर प्लैनिंग की सीमाएँ ब्रिटिश-प्रेरित पुरानी नियोजन प्रणाली के अनुरूप ही हैं। वास्तव में यह प्रणाली युनाइटेड किंगडम में पूरी तरह बदल गई है। जहाँ एक ओर अधिकांश दुनिया कहीं अधिक गतिशील नियोजन प्रक्रियाओं की ओर आगे बढ़ रही है, वहीं भारत की नियोजन प्रक्रिया में मास्टर प्लान को एक ऐसा स्रोत मान लिया गया है, जिसके माध्यम से सैद्धांतिक रूप में कम से कम शहरी विकास के बारे में तो सब कुछ तय कर लिया जाता है और उसका विनियमन भी कर लिया जाता है।

भारतीय शहर पर थोपी गई सुविचारित आधुनिक मास्टर प्लानिंग प्रणाली भी हजारों कटौतियों के कारण खोखली हो जाती है। निश्चय ही डिफॉल्ट रूप में नहीं, बल्कि डिजाइन के कारण ऐसा होता है।

यह एक भयानक तमाशा है कि क्या होता है जब राजनेता जो केवल अनुबंधों पर अपनी आंखों के साथ काम करते हैं, शासक जिन्हें पता नहीं है कि शहरी नियोजन क्या है, और ये शासक जो अपने कर्तव्यों के प्रति बेहद लापरवाह हैं, यह देखने के लिए एक साथ आते हैं कि वर्तमान महाराष्ट्र में क्या होता है। पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों से शहर में आना और रात में घर लौटना उतना ही दयनीय है जितना कि सबसे पिछड़े अफ्रीकी महाद्वीप या शासकों का राज्य। मुंबई को उप-राजधानी नागपुर से जोड़ने वाले समृद्धि महामार्ग के निर्माण की सरकार की सराहना कौन करता है? लेकिन मुंबई से इस समृद्धि राजमार्ग के मुहाने तक पहुंचना एक बड़ी बात है। इसे पार करने के बाद, फिर तथाकथित समृद्धि राजमार्ग की रेगिस्तानी यात्रा। मुंबई में मेट्रो नेटवर्क बनाने का क्रेडिट लेते हुए 20 मिनट की मेट्रो यात्रा के पहले और बाद में आधे घंटे का इंतजार करना पड़ता है, इसका कोई जवाब नहीं है। एक ओर, इन शासकों का विकास पुरानी विश्वसनीय 'बेस्ट' बस सेवा का ध्यान रखना और नए अनुबंध उद्योगों को आगे बढ़ाना है। नई पॉड टैक्सी, पुराने स्काईवॉक, पुराने स्काईवॉक, नए पुलों को गिराना, पुणे और उसके आसपास सिटी बस सेवा के लिए बनाए गए विशेष गलियारे, दोपहिया वाहनों से लेकर मालगाड़ियों तक सभी ट्रेनों में पानी भर गया है। शासकों को शायद इस बात की जानकारी नहीं होगी कि हम इस गैर-जिम्मेदाराना शासन के कारण भिखारियों की स्थिति से भिखारियों की स्थिति में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, विकसित होने की तो बात ही छोड़ दें, लेकिन क्या आपके पास है? इसका ईमानदार जवाब है कि जिन लोगों को इतना सौभाग्य मिला है कि अतिविकास के बोझ तले कम से कम एक शहर का दम घुट रहा है, न्यूनतम विकास के अभाव में गांव सूख रहे हैं। जब उन्हें मुश्किल से 15 मिनट की दूरी के लिए पांच-छह घंटे के जाम में फंसे रहना पड़ता है, तो हमारे विकास के पुरुषों को भोजन-पानी के अभाव में बच्चों की क्या दुर्दशा होती है, शौचालय के अभाव में महिलाओं और पिताओं को क्या पीड़ा होती है, इसका पता नहीं चल पाता है। वे नियम तोड़ सकते हैं और खुशी से विपरीत दिशा में जा सकते हैं। आपको बताया गया कि कैसे हमने सत्ता की इस बयानबाजी को रोकने के लिए वाहनों पर लगी लाल बत्तियां हटा दीं, और बेवकूफ समुदाय ने कहा, 'क्या महत्वपूर्ण निर्णय है।।।' यह कहते हुए, इस निर्णय की सराहना किसने की जो सरल होने का दिखावा करता है। हो सकता है कि लाल बत्तियाँ बंद हो गई हों। लेकिन इन मंत्रियों के सामने कारों की संख्या बढ़ गई। संविधान के अनुसार, एक ऐसे व्यक्ति के काफिले में 25-25 कारें होती हैं जो उस पद पर मौजूद नहीं हैं, और लोगों से शर्मिंदा होने का कोई सवाल ही नहीं है और नागरिकों के मन में होने का कोई सवाल ही नहीं है। विकास की कमी के कारण ये इतना हुआ है कि हमारी विकासवादी सरकार ने हाल ही में संकरी गलियों में भी गगनचुंबी इमारतों को अनुमति देने का फैसला किया है। यदि आवश्यक हो, तो यह ठीक है यदि फायर ब्रिगेड के वाहन वहां तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं, भले ही नागरिकों के आने-जाने के लिए पर्याप्त रास्ते न हों, भले ही वाहनों को सड़कों पर खड़ा करना पड़े; लेकिन जब विकास होता है, डेवलपर्स आते हैं, उनका कारपेट एरिया बढ़ता है, वेटलैंड्स को भरने का मौका मिलता है, नमक पैन भरकर बिल्डिंग बनाने की जरूरत होती है, कई झुग्गियों के पुनर्विकास के लिए किसी बड़े सरकारी हितैषी उद्योगपति को ठेके दिए जा सकते हैं, और अगर यह सब चलता रहा तो चुनावों में पर्याप्त पैसा मिलता रहेगा। हाल ही में महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर पुणे और मुंबई को जोड़ने वाली नई लाइन का उद्घाटन किया गया। लेकिन अगर खाते की स्याही सूखी नहीं है, तो तुरंत चर्चा क्यों शुरू करें? तो इस मार्ग पर आधा दर्जन और सुरंगें कैसे बनाई जा सकती हैं? अधिक काम का अर्थ है अधिक अनुबंध, जिसका अर्थ है कि उन्हें देने वालों के लिए अधिक कमाई।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष पत्रकारिता की वैश्विक चुनौतिया

- महेन्द्र तिवारी

अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हर वर्ष 3 मई को मनाया जाता है और यह दिन लोकतंत्र की उस मूल भावना को उजागर करता है, जिसमें नागरिकों को स्वतंत्र रूप से जानकारी प्राप्त करने और अपनी बात रखने का अधिकार होता है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित यह दिवस 1991 के विंडहोक घोषणा पत्र से प्रेरित है, जिसने स्वतंत्र और बहुलतावादी मीडिया की आवश्यकता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया।

आज जब हम 2026 के वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टि डालते हैं, तो प्रेस स्वतंत्रता की स्थिति अत्यंत चिंताजनक और डरावनी प्रतीत होती है। वैश्विक सूचकांक के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं कि दुनिया के 180 देशों में से आधे से अधिक देशों में प्रेस की स्थिति या तो बहुत कठिन है या फिर बेहद गंभीर श्रेणी में जा चुकी है। यह जानकर हृदय कांप उठता है कि विश्व की 1 प्रतिशत से भी कम आबादी आज उन क्षेत्रों में निवास कर रही है जहाँ प्रेस को वास्तव में स्वतंत्र और सुरक्षित माना जा सकता है। पिछले 25 वर्षों का इतिहास गवाह है कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर दबाव निरंतर बढ़ा है और पत्रकारों के काम करने की गुंजाइश संकुचित हुई है। पत्रकारिता आज एक ऐसा पेशा बन गया है जहाँ सच बोलने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। वर्ष 2025 के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में 129 पत्रकारों और मीडिया कर्मियों की निर्मम हत्या कर दी गई, जो अब तक का सबसे बड़ा और विचलित करने वाला आंकड़ा है। यह संख्या केवल एक डेटा नहीं है, बल्कि उन आवाजों की खामोशी है जो समाज की विसंगतियों पर प्रहार कर रही थीं। सन 2000 से लेकर अब तक लगभग 1795 पत्रकारों ने अपने कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्यौछावर किए हैं, जो इस पेशे के बढ़ते जोखिमों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है।

हिंसा के साथ-साथ कानूनी उत्पीड़न भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मार्ग में एक बड़ी बाधा बनकर उभरा है। 2026 के आंकड़ों के अनुसार विश्व भर की जेलों में लगभग 330 पत्रकार बंद हैं, जिनमें से 61 प्रतिशत पत्रकारों पर राष्ट्रविरोधी होने या देश की सुरक्षा को खतरे में डालने जैसे संगीन आरोप मढ़े गए हैं। विडंबना यह है कि जिन कानूनों का निर्माण राष्ट्र की सुरक्षा के लिए किया गया था, उनका उपयोग अक्सर उन लोगों को चुप कराने के लिए किया जा रहा है जो सत्ता की खामियों को उजागर करने का साहस करते हैं। पत्रकारिता को अपराध की तरह देखे जाने की यह प्रवृत्ति किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। इससे भी अधिक चिंता का विषय वह न्यायहीनता है जो पत्रकारों के खिलाफ होने वाले अपराधों में व्याप्त है। एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार पत्रकारों की हत्या के लगभग 86 प्रतिशत मामलों में अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती। यह न्याय की विफलता न केवल अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है बल्कि क्षेत्र में कार्यरत अन्य पत्रकारों के मन में भी भय का संचार करती है। जब सच के पहरेदारों को लगने लगता है कि उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है और उनके हत्यारे खुलेआम घूम सकते हैं, तो वे आत्म-सेंसरशिप का रास्ता चुनने को मजबूर हो जाते हैं, जो अंततः लोकतंत्र की मृत्यु की शुरूआत होती है।

प्रेस की स्वतंत्रता पर केवल भौतिक हमला ही एकमात्र खतरा नहीं है, बल्कि आज के दौर में इसके स्वरूप बदल गए हैं। कई देशों में मानहानि और आतंकवाद विरोधी कानूनों का दुरुपयोग एक सुनियोजित हथियार की तरह किया जा रहा है। इसके साथ ही आर्थिक दबावों के जरिए मीडिया संस्थानों की रीढ़ तोड़ने का प्रयास किया जाता है। विज्ञापन और वित्तीय संसाधनों के वितरण में पक्षपात करके उन संस्थानों को पुरस्कृत किया जाता है जो सत्ता के सुर में सुर मिलाते हैं, जबकि आलोचनात्मक रुख अपनाने वाले संस्थानों को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया जाता है। इस बदलती दुनिया में डिजिटल युग ने जहाँ सूचना के प्रसार को पंख दिए हैं, वहीं पत्रकारों के लिए नई और जटिल चुनौतियां भी पैदा की हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से दुष्प्रचार और गलत जानकारियों का जाल इतनी तेजी से फैलता है कि तथ्य और झूठ के बीच का अंतर मिटने लगता है। इसके साथ ही ऑनलाइन ट्रोलिंग, साइबर हमले और अवैध डिजिटल निगरानी ने पत्रकारों के निजी और पेशेवर जीवन को असुरक्षित बना दिया है। विशेष रूप से महिला पत्रकारों को ऑनलाइन माध्यमों पर जिस तरह के अपमान और धमकियों का सामना करना पड़ता है, वह अत्यंत निंदनीय है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू पर्यावरण से जुड़ी रिपोर्टिंग का है, जो आज के समय में सबसे जोखिम भरे क्षेत्रों में से एक बन चुका है। पिछले 15 वर्षों में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से जुड़ी खबरें कवर करने वाले कम से कम 749 पत्रकारों पर जानलेवा हमले हुए हैं। 2019 से 2023 के बीच इस तरह के हमलों में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो यह दशार्ता है कि जब पत्रकार भू-माफियाओं, अवैध खनन और कॉर्पोरेट जगत के भ्रष्टाचार पर कलम चलाते हैं, तो उन्हें कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यूनेस्को और द गार्जियन जैसी संस्थाओं की रिपोर्टें इस भयावह वास्तविकता की पुष्टि करती हैं। यह तथ्य हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में उस सच को सुनने के लिए तैयार हैं जो हमारे अस्तित्व और प्रकृति की रक्षा से जुड़ा है। प्रेस की स्वतंत्रता का मुद्दा केवल मीडिया घरानों या पत्रकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है। एक स्वतंत्र मीडिया भ्रष्टाचार की परतों को खोलता है, सरकारी नीतियों की निष्पक्ष समीक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि जनता को सही और सटीक जानकारी मिले ताकि वे एक जागरूक नागरिक के रूप में अपने निर्णय ले सकें। इसके विपरीत जब मीडिया को सरकारी या कॉर्पोरेट नियंत्रण में ले लिया जाता है, तो जनता तक केवल वही सूचनाएं पहुँचती हैं जो एक खास एजेंडे को पुष्ट करती हैं। इससे समाज में भ्रम और अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है।

वाशिंगटन पोस्ट और स्टेटिस्टा जैसे मंचों से प्राप्त डेटा यह संकेत देता है कि प्रेस की आजादी में गिरावट का प्रभाव केवल कुछ विशिष्ट देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक महामारी का रूप ले चुका है। भारत सहित दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों में भी प्रेस स्वतंत्रता के सूचकांक में गिरावट देखी गई है। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि लोकतांत्रिक संस्थानों के भीतर असहमति के स्वरों के प्रति सहिष्णुता कम होती जा रही है। प्रेस की स्वतंत्रता दरअसल लोकतंत्र का वह दर्पण है जिसमें समाज अपनी असलियत देखता है। यदि इस दर्पण पर धूल जमा दी जाए या इसे धुंधला कर दिया जाए, तो समाज अपनी कमजोरियों को कभी सुधार नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम उन साहसी पत्रकारों को श्रद्धांजलि दें जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान देकर सच की मशाल को जलाए रखा। यह दिन सरकारों के लिए भी एक चेतावनी है कि वे प्रेस की आजादी के प्रति अपनी संवैधानिक और नैतिक प्रतिबद्धताओं को फिर से परिभाषित करें। यह आवश्यक है कि ऐसी नीतियां बनाई जाएं जो पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और न्याय प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पत्रकारों के खिलाफ अपराध करने वाला कोई भी व्यक्ति कानून की पकड़ से बाहर न रहे। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना किसी एक समूह का दायित्व नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि यदि आज हम पत्रकारों की आवाज दबाने वाली शक्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होंगे, तो भविष्य में हमारी अपनी आवाज भी छीन ली जाएगी। लोकतंत्र की जीवंतता के लिए यह अनिवार्य है कि प्रेस बिना किसी डर या प्रलोभन के अपना कार्य कर सके। जब तक दुनिया में एक भी पत्रकार को सच बोलने के लिए जेल भेजा जाएगा या उसकी हत्या की जाएगी, तब तक हमारा लोकतंत्र अधूरा रहेगा। प्रेस की आजादी की मशाल को प्रज्वलित रखना ही इस दिवस की सार्थकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक ऐसे समाज में सांस ले सकें जहाँ सूचना पर किसी का एकाधिकार न हो और सच बोलने का साहस करने वालों को सम्मान मिले, न कि सजा।

बरगी जलाशय की क्रूज त्रासदी : पर्यटन की लहरों पर उठते सुरक्षा के यक्ष प्रश्न

नर्मदा के अथाह जल विस्तार में स्थित बरगी बांध का शांत वातावरण 30 अप्रैल की शाम अचानक चीखों और मातम में बदल गया। प्रकृति के सान्निध्य में तपिश से बचने सुखद समय बिताने निकले सैलानियों के लिए वह क्रूज, काल का ग्रास बन गया। यह दुर्घटना केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यटन तंत्र की सुरक्षा खामियों और मानवीय त्रुटियों का एक गंभीर प्रमाण भी है।

इस हादसे की गहराई में जाने पर कई ऐसे तथ्य दिखते हैं जो प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार प्रतीत होते हैं। सूर्यास्त के समय अचानक आए चक्रवाती तूफान और तेज हवाओं ने जलाशय में ऊंची लहरें पैदा कर दीं। गहरे पानी में क्रूज का संतुलन बिगड़ना प्राकृतिक प्रकोप था, या पर्यटकों की आपाधापी से पैदा हुआ असंतुलन , किंतु ऐसे मौसम की पूर्व चेतावनी का कोई प्रभावी तंत्र न होना एक बड़ी तकनीकी विफलता रही। इसके साथ ही, क्रूज की निर्धारित क्षमता से अधिक पर्यटकों का सवार होना संतुलन बिगड़ने का एक प्रमुख कारण बना। ओवरलोडिंग के कारण जलयान की स्थिरता कम हो जाती है, जिससे विपरीत परिस्थितियों में उसके पलटने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सुरक्षा मानकों के प्रति उदासीनता भी इस त्रासदी का एक बड़ा पहलू है। जल पर्यटन में लाइफ जैकेट की भूमिका अनिवार्य है, किंतु दुर्भाग्यवश या तो जैकेट की संख्या पर्याप्त नहीं थी या पर्यटकों ने उन्हें पहनना आवश्यक नहीं समझा। सुरक्षा नियमों की यह शिथिलता ही अक्सर जीवन पर भारी पड़ती है। वहीं शाम के धुंधलके और संसाधनों की कमी के कारण तत्काल बचाव कार्य शुरू करने में जो चुनौतियां आईं, उन्होंने हताहतों की संख्या को और बढ़ा दिया। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए केवल शोक जताना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा ढांचा खड़ा करना समय की मांग है। प्रत्येक क्रूज स्टेशन पर रियल-टाइम मौसम मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित होना चाहिए ताकि हवा की गति या दृश्यता कम होने की स्थिति में परिचालन को तत्काल प्रभाव से रोका जा सके। ़नो लाइफ जैकेट, नो राइडऱ के सिद्धांत को बिना किसी समझौते के लागू करना होगा और जलयानों की भार क्षमता की डिजिटल निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। उल्लंघन करने वाले संचालकों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई और लाइसेंस निरस्तीकरण जैसे कदम आवश्यक हैं। साथ ही, बांध स्थलों पर स्थानीय गोताखोरों और आपदा प्रबंधन दल की एक समर्पित इकाई आधुनिक उपकरणों के साथ सदैव तैनात रहनी चाहिए, जो किसी भी आपात स्थिति में 'गोल्डन ऑवर' के भीतर सहायता पहुंचा सके। क्रूज संचालकों और चालक दल को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए और जलयानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य रूप से हो। बरगी की लहरों ने जो घाव दिए हैं, वे लंबे समय तक नहीं भरेंगे। पर्यटन और मनोरंजन का उत्साह तभी सार्थक है जब वह सुरक्षा की गारंटी के साथ हो। यह समय है कि हम तकनीक और नियमों के समन्वय से ऐसा वातावरण तैयार करें कि भविष्य में कोई भी जलाशय खुशियों की कब्रगाह न बने।

घाटकोपर में धम्मरत्न बुद्धविहार में बुद्ध की मूर्ति स्थापित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री और आरपीआई (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले के हाथों घाटकोपर (प) के भीमनगर स्थित धम्मरत्न बुद्ध विहार में तथागत भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति और डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना की गई। पार्टी के प्रचार प्रमुख हेमंत रणपिसे ने डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा डॉ रामदास आठवले को भेंट की। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथी पूर्व विधायक वीरेंद्र बक्शी, गौतम सोनावणे, राज वासनिक, बालासाहेब गरुण, सोहल शेख, जिला अध्यक्ष प्रकाश जाधव, संजय डोलसे, डॉ निलेश बनसोडे, मनोज घोड़ेस्वार, सुमित मधुकर, मयुर चाबुकस्वार मनोज घोड़ेस्वार, उमेश गायकवाड, हितेश जगताप, विजय बंजारी, अमीना खान कैमरामेन देवेन्द्र रणपिसे बौधाचार्या साहेबराव गायकवाड के अलावा कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। समापन पर हेमंत रणपिसे ने डॉ रामदास आठवले और वीरेंद्र बक्शी को शाल और गुलदस्ता देकर उन्हें सम्मानित किया।

भिवंडी में वहाळ देवी यात्रा और पालकी शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर लिया आशीर्वाद

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के कामतघर-ताडाळी गांव की ग्रामदेवी तथा समस्त भिवंडीकरों की आस्था का केंद्र मानी जाने वाली वहाळ देवी की वार्षिक यात्रा और पालखी उत्सव 1 मई को पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। यात्रा के अवसर पर मंदिर को आकर्षक फूलों और रोशनी से सजाया गया था। भक्तों ने देवी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। दोपहर से ही भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। शाम को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पालखी सोहळा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर कामतघर के ज्येष्ठ नगरसेवक तथा शिवसेना (शिंदे गट) के गटनेते मनोज काटेकर, संदीप भोईर सहित स्थानीय ग्रामस्थ, महिला-पुरुष और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पालखी मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया और पुष्पवर्षा कर श्रद्धा व्यक्त की गई पालखी यात्रा के दौरान ढोल-ताशों की गूंज, पारंपरिक नृत्य और ह्वजय देवी व ट्हाळ माताह्व के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर स्थानीय पुलिस प्रशासन की भी तैनाती की गई थी, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में ग्रामस्थ मंडल कामतघर तथा युवा मंडलों ने विशेष योगदान दिया। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए अगले वर्ष और भी भव्य आयोजन का संकल्प लिया।

पालघर जिले के 12वीं परीक्षा परिणाम में 86.68% विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित

पालघर(उत्तरशक्ति)। फरवरी/मार्च 2026 में आयोजित उच्च माध्यमिक (कक्षा 12वीं) परीक्षा का परिणाम शनिवार 2 मई 2026 को घोषित कर दिया गया है। पालघर जिले का कुल पास प्रतिशत 86.68% रहा। इस बार जिले से 28,724 लड़के और 24,691 लड़कियां कुल 53,415 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। इनमें से 24,075 लड़के और 22,230 लड़कियां, यानी कुल 46,305 विद्यार्थी सफल रहे हैं। लड़कियों का पास प्रतिशत 90.03% रहा, जो लड़कों के 83.81% से बेहतर है। इस साल की परीक्षा में लड़कियों की उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। तहसील स्तरीय परिणाम में मोखाडा तहसील ने 98.18% के साथ पहले स्थान पर रहते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। वाडा (89.22%), विक्रमगड (87.79%) और पालघर (87.81%) तहसीलों ने भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस शानदार परिणाम पर पालघर जिले के पालकमंत्री, जिलाधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और शिक्षण अधिकारियों ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

राजीव खंडेलवाल का सासू पर मराठी खुलासा, सबको कर गया खुश

मुंबई/पटना। तुम हो ना घर की सुपरस्टार के महाराष्ट्र दिवस स्पेशल एपिसोड में एक मजेदार और रिलेटेबल पल देखने को मिला, जब होस्ट राजीव खंडेलवाल ने सबको चौंकाते हुए मराठी में बात की और मजाकिया अंदाज में अपनी सास से बात करने के डर का कन्फेशन किया।

कॉन्टेस्टेंट अमीशा के साथ बाइक पर ग्रैंड एंट्री करते हुए राजीव ने एपिसोड की शुरुआत ही ज़िंदादिल अंदाज में कर दी। एक दिल छू लेने वाली बातचीत के दौरान उन्होंने कॉन्टेस्टेंट भाग्यश्री और उनकी सास नलिनी से बात की। नलिनी ने बताया कि दोनों के बीच गहरा अपनापन है और वे खुलकर एक-दूसरे से बात करती हैं। शादी को सिर्फ पाँच महीने हुए होने के बावजूद उनके रिश्ते की मजबूती देखकर राजीव ने उत्सुकता से पूछा कि आखिर उनकी बॉन्डिंग इतनी खास कैसे है। नलिनी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि वह अपनी बहू से बेहद प्यार करती हैं।

मजेदार ट्विस्ट जोड़ते हुए राजीव ने मराठी में मजाकिया अंदाज में कहा, मला माझ्या सासूशी बोलायला भीती वाटते। उनका यह सीधा-सादा और रिलेटेबल कन्फेशन तुरंत ही सबके दिल को छू गया। दर्शक जैसे ही राजीव को मराठी बोलते हुए सुनते हैं, तालियों और चीयरिंग से मंच गूँज उठता है।

सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय मे संगणक प्रयोगशाला का उद्घाटन सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। आज का युग डिजिटल और तकनीकी ज्ञान का युग है। यदि भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है, तो विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह विचार पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे (आईएएस) ने उद्घाटन करते समय व्यक्त किये। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली, पालघर द्वारा संचालित सोनोपंत दांडेकर कला, वा. श्री. आपटे वाणिज्य एवं एम. एच. मेहता विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित स्व. लीलावती पुरुषोत्तमदास संघवी संगणक प्रयोगशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थितजनों को सम्बोधित कर रहे थे। मंगलवार 28 अप्रैल 2026 को आयोजित इस उद्घाटन समारोह में जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने महाविद्यालय परिसर में स्थापित इस स्व.लीलावती पुरुषोत्तमदास संघवी कम्प्यूटर लैब का विधिवत उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला प्रीमियर इंटरमीडिएट्स लिमिटेड द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) उपक्रम के अंतर्गत दांडेकर महाविद्यालय को प्रदान की गई है। कंपनी के निदेशक मनीषभाई पुरुषोत्तमदास संघवी, आशिषभाई शशिकांत संघवी एवं उनके परिवार द्वारा स्वर्गीय लीलावती पुरुषोत्तमदास संघवी की स्मृति में यह प्रयोगशाला महाविद्यालय के सूचना शास्त्र एवं संगणक शास्त्र विभाग को समर्पित की गई। मुख्य अतिथि मनोज रानडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि केवल पुस्तक आधारित शिक्षा अब पर्याप्त नहीं रह गई है। श्री.रानडे ने आगे कहा की विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना भी बहुत ही आवश्यक है और उसके लिए उद्योगपतियों ने आर्थिक मदद करना जरुरी है। आधुनिक संगणक प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों में नवाचार, शोध, रचनात्मकता और आत्मविश्वास विकसित करती हैं तथा उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में भी महानगरों जैसी डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की मांग है।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि पालघर जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विवेकानंद कदम ने कहा कि आधुनिक तकनीक आज शिक्षा, उद्योग, प्रशासन और रोजगार के प्रत्येक क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में किसी से पीछे न रहें।

दानदाता कम्पनी प्रीमियर इंटरमीडिएट्स लिमिटेड के निदेशक मनीषभाई संघवी ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शिक्षा क्षेत्र में यह योगदान देना उनके परिवार के लिए बहुत ही प्रसन्नता का विषय है।श्री. संघवी ने आगे कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराना भविष्य के सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस संगणक प्रयोगशाला का सकारात्मक उपयोग कर देश एवं समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली, पालघर के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे ने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी संसाधनों का विस्तार अत्यंत आवश्यक हो गया है। आधुनिक शिक्षा और तकनीकी कौशल का समन्वय विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। श्री. कोरे ने विश्वास व्यक्त किया कि यह संगणक प्रयोगशाला विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल विकास, डिजिटल प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा को नई दिशा प्रदान करेगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे ने स्वागत एवं प्रास्ताविक भाषण में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल और तकनीकी ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी की मूल आवश्यकता बन चुका है।

शिल्पकार प्रतिष्ठान की ओर से संयुक्त जयंती का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साकीनाका के चांदिवली में शिल्पकार प्रतिष्ठान की ओर से संयुक्त जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बुद्ध वंदना करने का सौभाग्य राकांपा चांदीवली विधानसभा अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह को मिला। कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने अपनी उत्कृष्ट कला के जरिए महाराष्ट्र की संस्कृति, महापुरुषों की शौर्यगाथा और उनके पराक्रम का उल्लेख किया। शिल्पकार प्रतिष्ठान की तरफ से बुजुर्ग महिलाओं को साड़ी बांटना, खीर बांटना और स्कूली बच्चों को शैक्षणिक सामग्री बांटने का महत्वपूर्ण उपक्रम किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि राकांपा मुंबई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थदादा टी. कांबले, सुरेंद्र सिंह - राकांपा चांदिवली विधानसभा अध्यक्ष थे। कार्यक्रम के आयोजक प्रतिष्ठान अध्यक्ष संजय सातपुते, सचिन वाकोडे, अमोल शिंदे, रमेश देवरे सर, शंकर गुप्ता थे।

आदर्श शिक्षिका अंजू की विदाई समारोह में पहुंचे महाराष्ट्र शिक्षण संचालक डॉ महेश पालकर

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षक हमारे जीवन के आधारस्तंभ और राष्ट्र निमार्ता होते हैं, जो न केवल किताबी ज्ञान देते हैं, बल्कि सही-गलत का भेद सिखाकर व्यक्तित्व को आकार देते हैं। वे मार्गदर्शन, प्रेरणा और नैतिक मूल्य प्रदान कर विद्यार्थियों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं और जीवन भर सीखने की नींव रखते हैं। मुंबई पब्लिक स्कूल, सांताक्रूज पूर्व के हिंदी माध्यम की आदर्श शिक्षिका अंजू मैडम तथा मनीषा कांबले के संयुक्त सेवा सम्पूर्ति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराष्ट्र राज्य के शिक्षण संचालक डॉ महेश पालकर ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि अंजू मैडम ने समर्पित भावना के साथ बच्चों को सुशिक्षित करने का काम किया। उन्होंने अपने पूरे परिवार की तरफ से भी शुभकामनाएं दी। समारोह की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षणाशिकारी अशोक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों के रूप में उपस्थित पूर्व प्रशासकीय अधिकारी रेशमा जेधिया, पूर्व प्रशासकीय अधिकारी राजकुमारी गिरी, कनिष्ठ पर्यवेक्षक सुरेश भोसले, शिक्षा निरीक्षक अशोक जैसवार, शिक्षा निरीक्षक सुनीता बालशंकर, गौतम विद्यालय के ट्रस्टी आशीष गौतम, प्रसिद्ध गीतकार सुशील शुक्ला, महापौर पुरस्कृत शिक्षक सरिता सिंह, अंजू की बहन प्रधानाध्यापिका नीता दुबे, गौतम विद्यालय की ट्रस्टी शिल्पा गौतम, सविता म्हात्रे,लिटिल जीनियस हाई स्कूल के प्रिंसिपल राजेश मिश्रा, पूर्व प्रधानाध्यापक श्रीप्रकाश त्रिगुणायत, पत्रकार राजेश उपाध्याय, मनीषा कांबले की बेटी रितुका ने भी अपनी बातें रखी। मंच पर उपस्थित अंजू की मां का मुख्य अतिथि के हाथों सम्मान किया गया। मंच पर उपस्थित मनीषा कांबले के पति दीपक कांबले का भी सम्मान किया गया। विद्यालय की संगीत शिक्षिका अरुणा चौधरी ने बच्चों के माध्यम से सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की आकर्षक प्रस्तुति की। बृजेश यादव ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाला परिवार के बृजेश यादव, ऋतुजा कसबे, शारदा कांदलगांवकर, दीपिका सोरेटे, रजनी सैनी, गुड़िया यादव, राजकुमार सिंह आदि का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में उत्तर शक्ति के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार चंद्रमणि उपाध्याय, डॉ सौम्य रंजन पांडे, युवा समाजसेवी केशव झा, वरिष्ठ लिपिक दारा सिंह, विट्ठल साखरे, दिनेशचंद्र शर्मा, प्रीति दिघे, दो हितेंद्र त्रिपाठी, लता जैन, प्रबजीत कौर ऊषा तिवारी, सुनीता चौरसिया, पूजा त्रिपाठी, राजेश कुमार सिंह, आनंद मिश्रा, विवेक राय, अखिलेश पटेल, अमोल कानपुरे, इमारत प्रमुख अजमल शाह, मनोज गणवीर, विद्या पाटिल, अश्लेषा पवार, रेखा जोशी ज्ञानदेव जाधव आदि का समावेश रहा। अंत में कार्यक्रम के संयोजक तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. नागेश पांडे ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला परिषद पालघर में हिरकणी कक्षा का हुआ उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र दिन के अवसर पर शुक्रवार 1 मई 2026 को जिला परिषद पालघर में हिरकणी कक्षा का उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन जिला परिषद के प्रशासक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीकमसलत, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर व शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। हिरकणी कक्षा के नूतनीकरण एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए जिला परिषद के भवन के दूसरे तल पर कक्ष क्रमांक 204 में कार्य किये गये। इस कक्ष को विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे विश्रांती, स्तनपान और बच्चों के साथ आने वाली महिलाओं के लिए एक आरामदायक स्थान पा सकें।

रिलायन्स फाउंडेशन ने इस परियोजना में सहयोग प्रदान किया और आवश्यक सामग्री जैसे पालणा, खिलौने, कपाट, कुर्सियां, फलक, पोस्टर्स आदि उपलब्ध कराई। इस कक्ष के निर्माण में योगेश जोशी व सोहम पाटील का विशेष योगदान रहा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीकमसलत के मार्गदर्शन में इस कक्ष का उद्घाटन हुआ, जिससे महिला कर्मचारियों को एक सुरक्षित व सुविधाजनक कार्यस्थल प्रदान किया जा सकेगा।

जोन-1 के पुलिस उपायुक्त की बड़ी उपलब्धि: शिकायतकताओं को 4.82 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र दिवस (1 मई) के अवसर पर मीरा भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत जोन-1 पुलिस द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। उप पुलिस आयुक्त (जोन-1) के नेतृत्व में विभिन्न अपराधों में जब्त की गई कुल 4,82,64,979 मूल्य की कीमती वस्तुएं उनके वास्तविक शिकायतकताओं को वापस सौंपी गईं। यह कार्यक्रम 01 मई 2026 को सुबह 10:30 बजे मीरा रोड पूर्व स्थित शहनाई हॉल में माननीय पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

वापस की गई संपत्तियों का विवरणः सोनाः 1833.51 ग्राम 2,73,02,380 चांदीः 2271.74 ग्राम – 5,67,937 नकद राशिः 44,35,000 वाहनः 156 – ?27,53,950

साइबर अपराध से बरामद राशिः 1,16,47,712 अन्य वस्तुएंः 15,58,000 कुल मूल्यः 4,82,64,979 कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यः पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे पुलिस उपायुक्त (जोन-1) राहुल चव्हाण, अन्य सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस स्टेशन प्रभारी, पत्रकार एवं नागरिक यह पहल न केवल पुलिस की तत्परता और कार्यकुशलता को दशार्ती है, बल्कि आम नागरिकों के बीच विश्वास को भी मजबूत करती है। अपराधों की जांच के बाद बरामद संपत्ति को उनके असली मालिकों तक पहुंचाना पुलिस की जवाबदेही और पारदर्शिता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव के साइजिंग पर संगीतमय सुंदरकांड व महाप्रसाद का आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष उद्योगपति अजय यादव की बिन्दु साइजिंग पर हर वर्ष की भांति भव्य सुन्दर कांड पाठ का संगीतमय कार्यक्रम गणेश पंडित महाराज की उपस्थिति में उनके अनुयाई अशोक झा भजन मंडली द्वारा संपन्न किया गया । बतादें कि इस वर्ष 1 मई महाराष्ट्र दिवस व अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस व बुद्धपूर्णिमा का अनोखा संगम देखने मिला। इस सुंदरकांड पाठ का संगीतमय कार्यक्रम में श्री गणेश पंडित महाराज? की उपस्थिति में उनके सानिध्य में भजन कर्ता अशोक झा मंडली द्वारा सुंदरकांड के साथ बीच बीच में भजन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों द्वारा तालियां बजाकर भक्ति रस का खूब आनंद उठाया । अजय यादव व उनके परिजनों द्वारा आरती , हवन के साथ महाप्रसाद का लाभ लोगों ने उठाया । इस कार्यक्रम में उद्योगपति मुनिराज यादव , अजय यादव , वेदांत यादव , विजय यादव , सिद्धार्थ यादव , डा. संजय यादव , प्रभाकर यादव (गुड्डू) , धर्मराज यादव , डा. आदित्य यादव , डा.बृजेश यादव, धर्मेश अग्रवाल , जयेश पंडित , रामअचल यादव , संतोष यादव , ओमप्रकाश यादव (गोले यादव) जितेन्द्र यादव , विनोद यादव , मोहन यादव, आचार्य सूरजपाल यादव आदि समेत सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन के बाद उपस्थित लोगों ने गणेश पंडित महाराज का दर्शन कर प्रसाद व महाप्रसाद का लाभ उठाया।

मीरा भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय में महाराष्ट्र राज्य की 67 वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई गई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य की 67वीं वर्षगांठ के अवसर पर 1 मई को मीरा भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

सम्मान समारोह महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में पुलिस महानिदेशक द्वारा उत्कृष्ट सेवा, वीरता, निष्ठा और जनहित में विशेष योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ह्लपुलिस महानिदेशक प्रशस्ति पदक 2025ह्व से सम्मानित किया गया। मीरा भायंदर एवं वसई-विरार आयुक्तालय से कुल 7 पुलिस अधिकारियों को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआः

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक जनार्दन लाडकु मेट

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक संदीप सुपदु पाटिल

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक अशोक भालचंद्र पाटिल

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक प्रमोद नारायण जाधव

सहायक पुलिस उपनिरीक्षक राजेंद्र दशरथ चव्हाण

पोलीस हवालदार शिवाजी रामचंद्र पाटिल

तैराकी विभाग से हनुमंद सुरेश सूर्यवंशी

छात्र पुलिस कैडेट कार्यक्रम

पुलिस बल के आधुनिकीकरण के तहत कक्षा 8वीं और 9वीं के छात्रों के लिए स्टूडेंट पुलिस कैडेट (रढउ) कार्यक्रम लागू किया गया। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यालयों को पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गयाः पीएम श्री मीरा-भायंदर म्युनिसिपल स्कूल नंबर 14, पेंकर पाड़ा

मीरा भायंदर म्युनिसिपल स्कूल नंबर 19, मछली बाजार

जिला परिषद मराठी स्कूल, कामां (वसई) झ्र प्रधानाध्यापकः श्री होनाजी मेस्त्री

उपस्थिति और शुभकामनाएं

इस अवसर पर पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, पत्रकार एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक ने सभी नागरिकों को महाराष्ट्र दिवस और श्रमिक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह आयोजन पुलिस बल की सेवा, समर्पण और समाज के प्रति प्रतिबद्धता का प्रेरणादायक उदाहरण रहा।

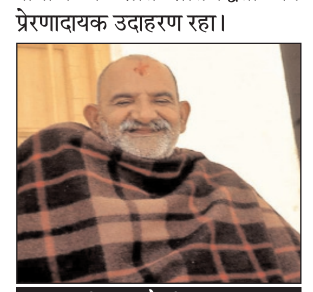

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

बारात के बीच दूल्हे की गोली मारकर हत्या

जौनपुर में सनसनी

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर के खेतासराय थाना क्षेत्र के बादशाही बाजार में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जहां बाइक सवार बदमाशों ने दूल्हे को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़सर गांव निवासी आजाद बिंद (22) की शादी बीबीपुर जमदहा निवासी युवती से तय थी। शुक्रवार को वह बारात लेकर जा रहे थे, तभी बादशाही बाजार में एक बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाकर गोली मार दी। उस समय दूल्हा गाड़ी में बैठा हुआ था।

घटना के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी दुकानें बंद कर भागने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दूल्हे को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि इस वारदात के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस अभी जांच में जुटी है और आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहने से बच रही है।

इस घटना से जहां पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, वहीं शादी का माहौल मातम में बदल गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और दुल्हन की हालत भी बेहद खराब बताई जा रही है।

ब्याजखोरों से तंग आकर फांसी लगाकर दी जान, बेटी की शादी के लिए लिया था पैसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्सा थाना अंतर्गत हकारीपुर गांव से दिल दहला देने वाला मामला प्रकाश में आया है। गरीबी की मार झेल रहे अजीत कुमार गौतम (30 साल) पर और अधिक दबाव तब पड़ गया जब उसकी बिटिया की शादी तय हो गई। पत्नी नगीना ने बताया कि उसी गांव के रहने वाले डॉक्टर सुभाष से पति ने दस हजार, चालीस हजार और एक लाख रुपया तीन बार में लिया था। पैसा न दे पाने के कारण दस प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने को लेकर दबाव बनने लगा। बृहस्पतिवार की रात में उसने नायलॉन की रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। इस वारदात से परिजन में कोहराम मच गया। मृतक के पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर बक्सा थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच पड़ताल में जुट गई है।

जंगल में फेंका नवजात, ग्रामीणों ने बचाई जान

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुमका, झारखंड पड़ोसी राज्य झारखंड के दुमका जिले से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जामा थाना क्षेत्र के काजूबहिया जंगल के पास एक नवजात शिशु को झोले में डालकर सड़क किनारे फेंक दिया गया। मासूम की रोने की आवाज सुनकर हल्दीपट्टी गांव की रंजू देवी और स्थानीय युवकों ने मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। ग्रामीणों की सूचना पर तुरंत एंबुलेंस बुलाई गई और नवजात को अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे का जन्म कुछ ही घंटे पहले हुआ था। फिलहाल उसका इलाज जारी है और उसे बाल कल्याण समिति की निगरानी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि रंजू देवी और उनके पति ने बच्चे को गोद लेने की इच्छा जताई है, लेकिन यह प्रक्रिया कानूनी नियमों के तहत ही पूरी की जाएगी। इधर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और नवजात को जंगल में फेंकने वाले लोगों की तलाश जारी है। यह घटना जहां एक ओर मानवता को शर्मसार करती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों की संवेदनशीलता और तत्परता इंसानियत की मिसाल भी पेश करती है।

डबल मर्डर से दहला बागपत-सहारनपुर, प्रेम प्रसंग बना वजह या साजिश?

जांच में जुटी पुलिस

बागपत,सहारनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में एक सनसनीखेज घटनाक्रम में डूडा के सिटी मिशन मैनेजर विक्रांत कुमार की हत्या के बाद अब उनकी कथित गर्लफ्रेंड राखी कश्यप की भी मौत का मामला सामने आने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। यह मामला अब डबल मर्डर में तब्दील हो चुका है, जिसकी गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार, विक्रांत कुमार को राखी कश्यप ने अपने घर पार्टी के बहाने बुलाया था, जहां उसके कुछ दोस्त भी मौजूद थे। इसी दौरान विक्रांत को गोली मार दी गई। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए आरोपियों ने उसे सहारनपुर ले जाकर नहर में फेंक दिया।

मामले में नया मोड़ तब आया जब जानकारी मिली कि बाद में राखी कश्यप की भी हत्या कर दी गई। आशंका जताई जा रही है कि विक्रांत हत्याकांड में गिरफ्तारी के डर से उसके ही साथियों ने उसे रास्ते से हटा दिया, ताकि राज खुलने का खतरा खत्म हो सके। इस पूरे मामले में मुख्य आरोपी के रूप में सुधारस चौहान का नाम सामने आया है, जो बागपत का निवासी बताया जा रहा है और फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसके कुछ साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी तक हत्या के पीछे की असली वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। प्रेम प्रसंग, आपसी विवाद या कोई बड़ी साजिश–सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

बागपत और सहारनपुर पुलिस संयुक्त रूप से मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने का दावा किया है।

उत्तर प्रदेश में कृषि का विश्वस्तरीय अनुसंधान स्थापित करेंगे अखिलेश यादव: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने पीडीए भवन कटघरा, जौनपुर में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में किसानों के हितों और देश की कृषि व्यवस्था को लेकर व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकार बनते ही कृषि क्षेत्र में बड़े और ऐतिहासिक बदलाव किए जाएंगे। पहली ही कैबिनेट बैठक में किसानों का कर्ज माफ करने का निर्णय लिया जाएगा तथा गन्ना किसानों के भुगतान के लिए 24 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने वाला सख्त कानून लागू किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश को कृषि अनुसंधान का वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा, जहाँ दुनिया भर में उत्पन्न होने वाली फसलें, फल, सब्जियां और जड़ी-बूटियों पर शोध कर राज्य के सभी जिलों में उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा।

मोहम्मद अरशद खान ने बताया कि उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक विस्तृत पत्र भेजकर किसानों की आर्थिक स्थिति पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी मजबूती के बिना देश का समग्र विकास संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती लागत, कर्ज का बोझ, बाजार की अनिश्चितता और जलवायु परिवर्तन के कारण किसान कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में किसानों को आर्थिक सुरक्षा, स्थिर आय और सम्मानजनक जीवन देना समय की मांग है।

प्रमुख मांगें: ◆ भूमि अधिग्रहण में सर्किल रेट से 6 गुना मुआवजा ◆ हर 3 वर्ष में सर्किल रेट की समीक्षा ◆ कृषि के लिए मुफ्त बिजली ◆ ब्याज मुक्त कृषि ऋण ◆ किसानों के बच्चों को उच्च शिक्षा तक मुफ्त सुविधा ◆ देशव्यापी किसान कर्ज माफी ◆ MSP की कानूनी गारंटी ◆ जम्मू-कश्मीर में शिक्षा ढांचे को मजबूत करना ◆ जम्मू और श्रीनगर में लॉ एवं मेडिकल विश्वविद्यालयों की स्थापना।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा, 'भारत तब तक मजबूत वैश्विक अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता, जब तक उसके किसान आर्थिक रूप से सुरक्षित और सामाजिक रूप से सम्मानित न हों। किसान देश की आत्मनिर्भरता की नींव हैं।' अंत में उन्होंने केंद्र सरकार से किसानों के हित में इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर ठोस कदम उठाने की अपील की।

सदन में राजभर की घेराबंदी, अतुल प्रधान ने सुनाई खरी-खरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ उत्तर प्रदेश विधानसभा उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान उस समय माहौल गरमा गया जब मंत्री ओम प्रकाश राजभर पर समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने तीखा हमला बोला। महिला आरक्षण से जुड़े नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के दौरान राजभर ने सपा और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। इसके बाद सपा विधायक अतुल प्रधान खड़े हुए और उन्होंने राजभर पर जमकर पलटवार किया। अतुल प्रधान ने तीखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए राजभर को 'बिन पेंदी का लोटा' और 'धोखेबाज' तक कह दिया, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस देखने को मिली और कुछ देर के लिए कार्यवाही भी प्रभावित रही। गौरतलब है कि ओम प्रकाश राजभर अपने बयानों को लेकर अक्सर विवादों में रहते हैं। वर्ष 2019 में दिए गए एक बयान को लेकर मऊ की अदालत द्वारा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया जा चुका है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सियासी बयानबाजी और तेज हो गई है, जिसका असर अब विधानसभा की कार्यवाही में भी साफ दिखाई देने लगा है।

आजम खान और अब्दुल्लाह आजम की रिहाई को लेकर प्रधानमंत्री को भेजी गई मार्मिक अपील

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक भावनात्मक पत्र भेजकर वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान और उनके पुत्र अब्दुल्लाह आजम खान की रिहाई एवं न्याय की मांग की है।

अपने पत्र में उन्होंने कहा कि आजम खान का राजनीतिक जीवन लगभग पाँच दशकों तक फैला हुआ है, जिसमें उन्होंने दस बार विधायक, दो बार सांसद, चार बार मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए जनसेवा की है। उन्होंने आजम खान को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताया।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि वर्ष 2019 तक उनके खिलाफ कोई गंभीर आपराधिक मामला नहीं था, लेकिन लोकसभा चुनाव जीतने के बाद अचानक बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज किए गए, जिससे न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि वर्तमान में आजम खान और उनके पुत्र जेल में बंद हैं, जो केवल एक परिवार का मामला नहीं बल्कि लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता का प्रश्न है। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित कराने की अपील की है।

उन्होंने अपने पत्र में यह भी कहा कि इतिहास हर निर्णय को दर्ज करता है और यदि न्याय के पक्ष में कदम उठाया जाता है, तो यह लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक होगा। अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप कर दोनों नेताओं की रिहाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

दवा प्रतिनिधियों ने मनाया मजदूर दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 01 मई मजदूर दिवस के अवसर पर यू.पी.एम.एस.आर.ए जौनपुर इकाई के सदस्यों ने अपनी मांगो को लेकर एक ज्ञापन श्रम आयुक्त, उत्तरप्रदेश सरकार को ईमेल के माध्यम से एवं सहायक श्रम आयुक्त, जौनपुर के माध्यम से प्रेषित किया। उसके बाद जौनपुर ईकाई के सद्स्यों ने अपने इकाई प्रांगण में अपने तथा अन्य संगठनों के साथ मजदूर दिवस मनाया।

जिसमें यू.पी.एम.एस.आर.ए के राज्य ईकाई सह सचिव ने बताया कि कॉमरेड एम सिंगारवेलु ने 1 मई 1923 को मद्रास (चेन्नई) में लाल झंडा फहरा कर भारत में मजदूर दिवस की शुरूआत किया था। साथी राजेश रावत ने कहा कि आज बिक्री संवर्धन कर्मचारियों को नियोक्ता अवेध तरीके से स्थानांतरित कर रहे हैं। अवैध रूप से उनका काम रोक रहे हैं और अवैध रूप से नौकरी से बर्खास्त कर रहे हैं वे फर्जी मुद्दे बनाकर कर्मचारियों को वेतन और यात्रा खर्च का भुगतान करने से इनकार कर रहे हैं। नियोक्ता खुलेआम सेल्स प्रमोशन एम्पलाइज अधिनियम और अन्य श्रम कानून का उल्लंघन कर रही हैं। आज हमने ज्ञापन के माध्यम से श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश सरकार से यह आग्रह किया है कि वह अपना ध्यान दवा प्रतिनिधियों के ऊपर आकर्षित कर हमारी मांगो पर विशेष ध्यान दे।

ईकाई सचिव साथी अजय चौरसिया ने कहा कि जिन अंग्रेजों से हमारे पूर्वजों ने लड़कर मजदूरों के हित के लिए कानून बनवाए थे आज स्वतंत्र भारत में 44 श्रम कानूनों को को खत्म करने की कोशिश, अंग्रेजों के दमनकारी नीति से भी बढ़-चढ़कर यह सरकार श्रम एवं आम जनमानस विरोधी है।

अंत में इकाई अध्यक्ष साथी अनिल मिश्रा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया और कहा की हम अपनी लड़ाई को और तेज करेंगे और किसी भी हाल में अपने इकलौते कानून सेल्स प्रमोशन इंप्लाईज एक्ट को लागू करवा कर ही रहेंगे।

आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से अच्युत दुबे, अजय सिंह, अमित सिंह, अभिषेक सिंह, अमित रंजन श्रीवास्तव, सुनील प्रजापति, विकाश सिंह, अभिषेक सिंह, अजीत मौर्या, शैलेंद्र मौर्या, मनोज सिंह, बलवंत सिंह, अखिलेश यादव, सुनील चौधरी, के साथ साथ समस्त कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मजदूर दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष ने मजदूरों को किया जागरूक, शोषण के खिलाफ उठाई आवाज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के केराकत विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार यादव ने क्षेत्र के मजदूरों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने मजदूरों के शोषण और अनियमित मजदूरी को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी बड़ी संख्या में मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जा रहा है, जबकि उन्हें उचित मेहनताना नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि शहरों, दुकानों, गांवों और परिवहन क्षेत्र में मजदूरों से 8 घंटे के बजाय 10 से 12 घंटे तक काम कराया जाता है, लेकिन भुगतान केवल 5 से 8 घंटे का ही दिया जाता है। कई मामलों में मजदूरों को उनकी पूरी मजदूरी भी नहीं मिलती, जो गंभीर अन्याय है। विशेष रूप से कमजोर और असंगठित मजदूरों के साथ ज्यादा शोषण होता है, जहां उन्हें आधी मजदूरी देकर काम कराया जाता है। वीरेंद्र कुमार यादव ने कहा कि मजदूर वर्ग समाज की रीढ़ है, लेकिन उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मजदूरों से अपील की कि वे अपने काम के घंटे तय करें और काम पूरा होने के बाद अपनी मेहनताना अवश्य लें। यदि कोई नियोक्ता मजदूरी देने में आनाकानी करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने से पीछे न हटें। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा मजदूरों के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और भविष्य में भी मजदूरों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। पार्टी की सरकार बनने पर मजदूरों के शोषण को समाप्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

ममता की मिसाल बनी माँ, 15 घंटे बाद सामने आई दिल दहला देने वाली तस्वीर

बरगी डैम हादसा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के जबलपुर बरगी डेम में हुए क्रूज हादसे के लगभग 15 घंटे बाद सामने आई एक तस्वीर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह तस्वीर सिर्फ एक हादसे की नहीं, बल्कि एक माँ के अटूट प्रेम, त्याग और ममता की मार्मिक कहानी बयां करती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय जब स्थिति बेकाबू हो गई, तब भी एक माँ ने अपने मासूम बच्चे को अपनी बाहों में कसकर थामे रखा। मौत के उस भयावह पल में भी उसने अपने लाल को अकेला नहीं छोड़ा। दुर्भाग्यवश, इस दर्दनाक हादसे में माँ और बेटा दोनों की जान चली गई, लेकिन उनकी यह आखिरी तस्वीर हर किसी की आंखें नम कर रही है।

राहत एवं बचाव दल के सदस्यों ने जब यह दृश्य देखा तो वे भी भावुक हो उठे। यह घटना न केवल पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है, बल्कि इंसानी संवेदनाओं की गहराई को भी उजागर करती है। माँ का यह स्वरूप एक बार फिर साबित करता है कि ममता का कोई मोल नहीं होता। वह हर परिस्थिति में अपने बच्चे की ढाल बनकर खड़ी रहती है—चाहे इसके लिए उसे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े।

यह हादसा हम सभी के लिए एक चेतावनी है कि पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप संपादक / भारत प्रेस क्लब वाराणसी मंडल अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद की ओर से माँ और मासूम को विनम्र श्रद्धांजलि एवं शत-शत नमन....

इस वर्ष भी डॉ.वकील नजीर इंटर कॉलेज मानीकलां में छात्राओं का रहा शानदार प्रदर्शन

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां स्थित डॉ.वकील नजीर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने इस वर्ष भी परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम में छात्राओं का दबदबा देखने को मिला।

हाई स्कूल में विद्यालय की मेधावी छात्रा मर्जिया खान (पुत्री लियाकत अली खान) ने 82.5% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आलिसबा (पुत्री शमशाद अहमद) ने 81.83% अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा अनामिका प्रजापति (पुत्री दिलीप कुमार) ने 81.33% अंक अर्जित कर तृतीय स्थान हासिल किया।

इसी क्रम में इंटर की अन्य छात्राओं में अल्फा बानो (पुत्री कमरुद्दीन) ने 81.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान एवं सादिया खान (पुत्री सरफुद्दीन) ने 80.6% अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इफ़्फ़त फातमा (पुत्री शमीम अहमद) एवं सूफिया (पुत्री एकराम अहमद) ने 80% अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया।

छात्राओं की इस उपलब्धि से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। फाउंडर एवं मैनेजर डॉ. वकील अहमद नजीर, असिस्टेंट मैनेजर राफे शमीम नजीर, जीनत अशरफ, इस्मत शमीम, प्रिंसिपल उमेश सिंह, नियाज अहमद, हाफिज नेहाल, आस्था कश्यप एवं अजवा नाज सहित समस्त विद्यालय परिवार ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। फाउंडर एवं मैनेजर डॉ. वकील अहमद नजीर ने सभी छात्र-छात्राओं को माल्यार्पण कर, मुंह मीठा कराते हुए मेडल एवं मेमेंटो देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। क्षेत्र के लोगों ने भी इस सफलता पर खुशी जताई है।

बारात में हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मो. इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। बारात में हुए सनसनीखेज हत्या मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, बारात के दौरान हुए विवाद में हमलावरों ने लाठी-डंडा, लोहे की रॉड और चाकू से हमला कर दिया था, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायल अमीरचंद निषाद को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत पुलिस टीम ने 2 मई को रजादेपुर चौराहे से रामभजन निषाद (22 वर्ष) और राममिलन निषाद (19 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो चाकू, दो डंडे और एक लोहे की रॉड बरामद की है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 भी बढ़ाई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास इसी मामले से संबंधित है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अजय यादव, अमित कुमार वर्मा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

समाजवादी पार्टी के बीएलए द्वारा नए व युवा मतदाताओं के नाम एसआईआर में आवेदन उपरांत अपेक्षाकृत कम आए: राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेशानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में दिन में 11:00 बजे संपन्न हुई। सर्वप्रथम जिला महासचिव आरिफ हबीब ने सदन को एजेंडे से अवगत कराया। तत्पश्चात उसे पर विधिवत विचार विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत समाजवादी पार्टी के द्वारा युवा मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने का बृहद स्तर पर कार्य किया गया था लेकिन नए मतदाताओं का मतदाता सूची में बढ़ाए गए नामों में से अपेक्षाकृत कम नाम चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची से जोड़ा गया है इससे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कमजोर होती है।

जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने आगे कहा कि मैं फिर अपने विधानसभा अध्यक्ष गण, सेक्टर प्रभारी गण, बीएलए गण से कहना चाहता हूं कि छूटे एवं नए नाम को मतदाता सूची से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न रहने पाए। सभी को मतदाता सूची से जोड़ने का काम समाजवादी प्रहरी करेंगे।

नाली का गंदा पानी घर में घुसने से परेशान अधिवक्ता, कार्रवाई न होने पर जताई नाराजगी

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के मोहल्ला सिपाह में नाली की समस्या को लेकर एक अधिवक्ता ने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की है। अधिवक्ता बृजेश कुमार सोनकर ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि नगर पंचायत की लापरवाही के कारण नाली का गंदा पानी उनके मकान में प्रवेश कर रहा है, जिससे गंभीर बीमारी और संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

प्रार्थी के अनुसार, उनके मकान से सटा हुआ नगर पंचायत का नाला जर्जर एवं अव्यवस्थित स्थिति में है, जिसके चलते गंदा पानी सीधे उनके घर में घुस जाता है। इस समस्या को लेकर उन्होंने पूर्व में अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष तथा तहसील दिवस (दिनांक 18 अप्रैल 2026) में भी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा केवल हीलाहवाली की जा रही है और पद का दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार जनसुनवाई के लिए निर्धारित समय (सुबह 10 से 12 बजे) में भी अधिशासी अधिकारी एवं नगर पंचायत अध्यक्ष उपलब्ध नहीं रहते, जिससे आम जनता की समस्याएं अनसुनी रह जाती हैं।

अधिवक्ता बृजेश कुमार सोनकर ने प्रशासन से मांग की है कि उनके घर में घुस रहे गंदे पानी की समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाए तथा नाले का उचित निर्माण व मरम्मत कार्य कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वह उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के लिए बाध्य होंगे।

समाधान दिवस में 109 शिकायतें, डीएम ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील सभागार में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनसामान्य की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हुए उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस के दौरान ग्राम कौरहा निवासी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने गांव के रास्ते पर गिट्टी डालकर मार्ग अवरुद्ध किए जाने की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी मछलीशहर एवं थाना प्रभारी को मौके पर जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में घिसुआ (मछलीशहर) निवासी शिव शंकर विश्वकर्मा ने लगभग 50 वर्षों से प्रचलित मार्ग के अवरुद्ध होने की शिकायत की, जिस पर संबंधित राजस्व निरीक्षक व थाना प्रभारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ग्राम अमाई थाना मीरगंज निवासी हरिलाल ने ग्राम सभा की भूमि पर अतिक्रमण हटवाने और रास्ता बनवाने की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं नायब तहसीलदार को स्थलीय निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

सुजानगंज निवासी रूपाली दुबे ने केबल जल जाने से सात दिनों से बंद विद्युत आपूर्ति की समस्या उठाई, जिस पर एसडीओ विद्युत को तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जनपद में भूसा संग्रहण अभियान चलाया जा रहा है। मछलीशहर तहसील में ग्राम प्रधानों द्वारा उत्साहपूर्वक भूसा दान किया गया, जिसे अस्थायी गोआश्रय स्थलों में उपयोग किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने दानदाताओं को ‌ह्लपुण्य की एफ.डी.‌ह्व प्रमाण पत्र एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। उन्होंने आलोक कुमार उपाध्याय, राजकुमार सरोज, हनुमंत पांडे, अनिल कुमार यादव, संतोष दुबे, मृत्युंजय बिन्द, शिवनाथ मौर्य, सुरेश कुमार सहित अभिमन्यु सिंह (जिन्होंने अपनी शादी की सालगिरह पर भूसा दान किया) के योगदान की सराहना की।

उन्होंने इसे ह्लमहादानह्व बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में जुड़ने की अपील की। साथ ही लोगों से पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने और गौशालाओं हेतु नैपियर घास लगाने की भी अपील की।समाधान दिवस के दौरान कुल 109 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अंधेरी में श्री साईं भण्डारे का आयोजन, बड़ी संख्या में भक्तों ने किया महाप्रसाद ग्रहण

मुंबई। धार्मिक संस्था श्री साईनाथ सेवा मंडल की ओर से अंधेरी (पूर्व) के ओल्ड नागरदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मार्ग स्थित रमणिकलाल भूता ग्राउंड पर श्री साईं भण्डारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक रुपेश दांडेकर ने बताया कि यह आयोजन सायमन डेविड चाल स्थित साईं बाबा की मूर्ति के 34 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लगभग 5000 लोग ने इस आयोजन में हिस्सा लिए। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक मुरजी पटेल व सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी का सत्कार किया गया। इस अवसर पर भाजपा अंधेरी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी अशोक पाण्डेय, पूर्व नगरसेवक संध्या सुनील यादव, पूर्व नगरसेवक मनोहर पांचाल, समाजसेवी प्रमोद पाण्डेय, संतोष रहाटे, जे. पी. नायर, विपुल विसारिया, आनंद उपाध्याय, किशोर धोत्रे तथा सुरेश कथुरे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया।

रविशंकर पाण्डेय भारतीय जनता पार्टी पवारा मंडल के महामंत्री नियुक्त

-विष्णुकांत मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने सेमरिया निवासी रवि शंकर अद्याप्रसाद पांडे को पार्टी का मंडल महामंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। अपनी नियुक्ति पर रविशंकर पाण्डेय ने भाजपा जौनपुर पवारा मंडल अध्यक्ष अजय कुमार दुबे, जौनपुर अध्यक्ष अजीत प्रजापति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। रवि शंकर अद्याप्रसाद पांडे ने इस अवसर पर कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और भारत के विकास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि संगठन द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का वे पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ निर्वहन करेंगे। सामाजिक क्षेत्र में उनके दीर्घ अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। उनकी नियुक्ति से भाजपा पवारा मंडल को एक सशक्त और प्रभावी कार्यकर्ता मिला है।

सीडा औद्योगिक क्षेत्र का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता पर डीएम सख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य कार्यपालक अधिकारी, सीडा एवं जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने सीडा औद्योगिक क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने अटल इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत कराए जा रहे अवस्थापना विकास कार्यों—जैसे नाला निर्माण, सड़क, हाई-मास्ट लाइट एवं इंटरलॉकिंग—का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराए जाएं और समयसीमा के भीतर पूर्ण हों। इसके साथ ही डीएम ने प्रस्तावित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) स्थल का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन कान्हा गौशाला का किया औचक निरीक्षण, जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

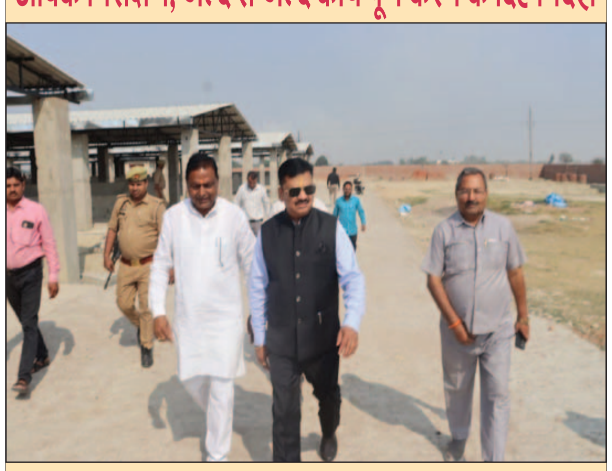

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने तहसील मछलीशहर अंतर्गत मुंगराबादशाहपुर में धौरहरा वार्ड में निर्माणाधीन कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला के निर्माण कार्य की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि निर्माण में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री गुणवत्तापूर्ण हो। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाए, जिससे गौशाला का निर्माण जल्द से जल्द ससमय पूर्ण हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण किए जाए। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष कपिलमुनि वैश्य, अवर अभियंता ओम प्रकाश, अवर अभियंता (सिविल) प्रशांत राय, राजस्व निरीक्षक रामानुज शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगवानपुर एसटीपी शुरू होने से 5 वार्डों के एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगी राहत!

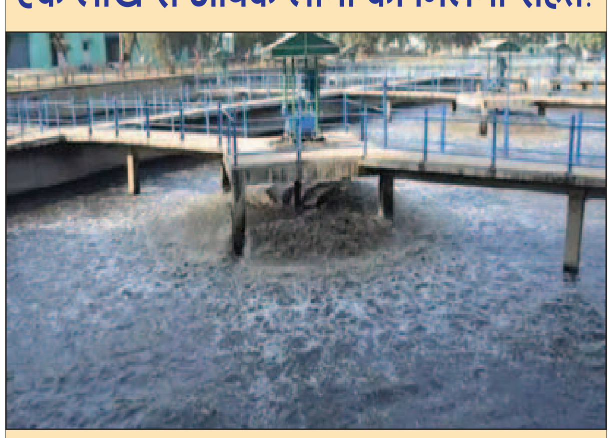

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भगवानपुर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का संचालन शुरू कर दिया गया है। करीब 308.09 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना के चालू होने से शहर के 5 वार्डों के लगभग 1.05 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने लगा है। इस एसटीपी के शुरू होने से अस्सी नाले का गंदा पानी अब बिना शोधन के गंगा में नहीं जाएगा, बल्कि उसे पहले ट्रीट किया जा रहा है। पहले यह गंदा पानी भदैनी, सुंदरपुर, ककरमत्ता, खोजवा और आसपास के इलाकों से होकर सीधे गंगा में गिरता था, जिससे नदी प्रदूषित हो रही थी। अब इस पानी को भगवानपुर एसटीपी तक लाकर शुद्ध किया जा रहा है, जिससे गंगा के जल की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत वर्ष 2014 से इस तरह की परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया था। वर्ष 2022 तक वाराणसी में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की प्राथमिकता सूची में अस्सी नाला चौथे स्थान पर था, जिसे बाद में बढ़ाकर पांचवें स्थान पर रखा गया। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2017 में किए गए फीकल कोलीफॉर्म परीक्षण में गंगा नदी के जल में 1300 से लेकर 23000 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक प्रदूषण दर्ज किया गया था। वहीं, वर्ष 2025 में यह स्तर घटकर 4900 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर तक पहुंच गया है। यह आंकड़े प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नेशनल मॉनिटरिंग प्रोग्राम के तहत 2017 से 2026 के बीच किए गए परीक्षणों पर आधारित हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस एसटीपी के संचालन से न केवल गंगा को प्रदूषण से राहत मिलेगी, बल्कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर होगी। काशी में गंगा और उसकी सहायक नदियों को स्वच्छ बनाने और आम जनमानस के हितों के लिए इस तरह की परियोजनाएं आगे भी जारी रहेंगी।

एनसीपीए में चार दिवसीय मराठी थिएटर महोत्सव 3 मई तक

मुंबई(उत्तरशक्ति)। नेशनल सेंटर फॉर ड्रामेटिक आर्ट्स (एनसीपीए) का प्रतिबिंब मराठी थिएटर महोत्सव 2026 एक बार फिर स्टेज पर अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। चार दिन का थिएटर महोत्सव 3 मई तक मनाया जाएगा. मुंबई में प्रायोगिक रंगमंच, टाटा रंगमंच व जेबीटी संग्रहालय में होने वाला यह फेस्टिवल दर्शकों को थिएटर एक्सपेरिमेंट, रीडिंग सेशन, वर्कशॉप और चचाओं का कई तरह का अनुभव देगा. प्रतिबिंब को मराठी थिएटर को प्रेरित करने, प्रोत्साहित करने और सपोर्ट करने के मकसद से बनाया गया है और इस माध्यम से महाराष्ट्र की समृद्ध थिएटर परंपरा का एक असरदार विजन पेश किया गया है। अनुभवी और उभरते कलाकारों के पॉपुलर और एक्सपेरिमेंटल कामों का एक सुंदर मिश्रण यहां देखा जा सकता है।(एनसीपीए) के थिएटर और फिल्म्स प्रमुख ब्रूस गुथरी ने कहा कि एनसीपीए के थिएटर कैलेंडर में रिफ्लेक्शन एक जरूरी हिस्सा बन गया है। मराठी थिएटर की रिच परंपरा का जश्न मनाने के साथ-साथ, यह फेस्टिवल इसके भविष्य के लिए एक गाइड भी है।

यह उत्सव शनिवार, 2 मई को पूरे दिन चलने वाले शानदार अनुभवों के साथ जारी रहेगा। इसमें 'राइटर्स लैब - फ्रॉम आइडिया टू पेज' सत्र शामिल है, जिसे प्राजक्त देशमुख सुबह 11.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक टाटा थिएटर के एलिवेटर ब्लॉक में संचालित करेंगे. इसके बाद शाम 4.30 बजे एक्सपेरिमेंटल थिएटर में 'अरे संसार' का मंचन होगा, जो बहिणाबाई चौधरी की कविताओं को समर्पित एक संगीतमय और मौखिक श्रद्धांजलि है. शाम का समापन 7.00 बजे टाटा थिएटर में 'लग्न पंचमी' के साथ होगा, यह एक समकालीन मराठी नाटक है जो रिश्तों, साथ और आधुनिक विवाह की बारीकियों को गहराई से दशार्ता है। अंतिम दिन, रविवार, 3 मई को यह उत्सव प्रदर्शन और आत्म-चिंतन के साथ अपने जुड़ाव को और गहराई प्रदान करेगा. इस दिन सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक जेबीटी म्यूजियम में अभय महाजन द्वारा 'बॉडी अवेयरनेस - मूवमेंट वर्कशॉप' आयोजित की जाएगी, दिन का सिलसिला दोपहर 3.00 बजे 'मग तू मला खा' (तो फिर, मुझे खा जाओ!) के साथ आगे बढ़ेगा. यह डिजिटल पहचान और शारीरिक छवि की एक मार्मिक पड़ताल है।

इसके बाद शाम 5.30 बजे 'कवितेचा पान लाइव' का आयोजन होगा, जो मराठी कविताओं की एक इंटरैक्टिव और नए अंदाज में की गई प्रस्तुति है. उत्सव का समापन शाम 7.15 बजे टाटा थिएटर में 'करुणाष्टके' के साथ होगा. यह एक सशक्त ऐतिहासिक नाटक है जो स्त्रीत्व, शोक और विपरीत परिस्थितियों में भी डटे रहने की भावना को दशार्ता है। राजेश्री शिंदे (फेस्टिवल प्रोड्यूसर-थिएटर और फिल्म्स एनसीपीए) ने कहा कि प्रतिबिंब मराठी नाट्य उत्सव एक ऐसा फेस्टिवल है जो हमें कहानियों, भावनाओं और मराठी थिएटर की सदाबहार भावना के जरिए एक साथ लाता है।शिल्पा कुमार के सहयोग से प्रतिबिंब मराठी नाट्य उत्सव 2026 को एक बहु-आयामी सांस्कृतिक अनुभव के रूप में डिजाइन किया गया है, जो केवल प्रदर्शन से आगे बढ़कर संवाद, अन्वेषण और कलात्मक आदान-प्रदान को भी शामिल करता है।

उत्तर मध्य भारत में तीसरे मोर्चे की आहट, सियासी हलचल तेज

राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा बनेगा थर्ड फ्रंट ध्रुवीकरण का केन्द्र

-लाल शेखर सिंह

प्रतापगढ़/लखनऊ (उत्तर शक्ति)। उत्तर मध्य भारत की राजनीति में एक नए समीकरण की चर्चा तेज हो गई है। राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर.बी. सिंह ने बताया है कि तैयारी पूरी हो चुकी है और राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा की घोषणा, संयोजक तथा आगामी कार्ययोजना तय करने के लिए जल्द लखनऊ में बैठक होने जा रही है। तीसरे मोर्चे के गठन की तैयारी ने सत्तारूढ़ दलों की चिंता बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि इस मोर्चे में 30 से अधिक छोटे-बड़े राजनीतिक संगठनों को जोड़ने की कवायद लगभग पूरी हो चुकी है, जिसमें नित नये संगठन जुड़ रहे हैं। विचारधारा, कार्यक्रम और मुद्दों के आधार पर अन्य राष्ट्रवादी संगठनों से भी संपर्क किया जा रहा है। तीसरे मोर्चे के सूत्रों के अनुसार, यह गठबंधन न लेफ्ट, न राइट की नीति पर चलते हुए समानता, न्याय और राष्ट्रहित को प्राथमिकता देगा। साथ ही, जातिवादी राजनीति और कथित जातिवादी कानूनों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की बात कही जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह मोर्चा संगठित रूप लेता है, तो 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में नया समीकरण बन सकता है। तीसरे मोर्चे के तहत संयुक्त प्रत्याशी उतारने की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है, जिससे सीधी टक्कर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिल सकती है। हालांकि, इस पहल की सफलता संगठनात्मक मजबूती, नेतृत्व की स्वीकार्यता और जमीनी पकड़ पर निर्भर करेगी। फिलहाल, तीसरे मोर्चे की आहट ने प्रदेश की सियासत में हलचल जरूर बढ़ा दी है।

तेज डीजे बना जानलेवा शोर, जौनपुर में बढ़ती घटनाओं से लोग चिंतित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर में तेज आवाज में बजने वाला डीजे अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है, बल्कि यह एक गंभीर स्वास्थ्य खतरे के रूप में उभरता जा रहा है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल के समय में तेज डीजे की आवाज के कारण तबीयत बिगड़ने और मौत तक के मामले सामने आए हैं।

एक घटना में सब्जी विक्रेता की तबीयत तेज ध्वनि के कारण अचानक बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई। वहीं, चहारसू चौराहे स्थित एक रेस्टोरेंट में नाश्ता करने पहुंची महिला को सामने बज रहे तेज डीजे से सीने में दर्द हुआ और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हाल ही में एक अन्य व्यक्ति की मौत को लेकर भी तेज डीजे को वजह बताया जा रहा है, हालांकि प्रशासनिक पुष्टि अभी बाकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक ध्वनि का शरीर पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। इससे सुनने की क्षमता प्रभावित होती है, हृदय गति असंतुलित हो सकती है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और अचानक घबराहट या हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है।

कई स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार तेज डीजे और साउंड सिस्टम के कारण उन्हें सुनने में दिक्कत होने लगी है। डॉक्टरों ने भी तेज आवाज और ईयरफोन के अत्यधिक इस्तेमाल को इसके लिए जिम्मेदार माना है।

उच्च न्यायालय के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद जमीनी स्तर पर ध्वनि नियंत्रण के नियमों का पालन नहीं हो रहा है। शादी, जुलूस और अन्य आयोजनों में देर रात तक तेज डीजे बजाना आम बात हो गई है। लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रशासन कब सख्ती दिखाएगा और इस बढ़ते खतरे पर नियंत्रण करेगा। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि तेज डीजे पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए, निर्धारित ध्वनि सीमा का कड़ाई से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाए। अगर समय रहते इस शोर के खतरे पर रोक नहीं लगाई गई, तो यह समस्या आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती है।

स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर एवं सहारनपुर में कक्षा 06, 09 एवं 11 में प्रवेश हेतु सूचना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 स्पोर्ट्स कालेजेज सोसायटी, लखनऊ के अधीन संचालित गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, लखनऊ, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज, गोरखपुर, मेजर ध्यानचन्द स्पोर्ट्स कालेज, सैफई, स्पोर्ट्स कॉलेज फतेहपुर एवं स्पोर्ट्स कालेज सहारनपुर में सत्र 2026-27 में रिक्त कुल 518 संभावित सीटों को भरे जाने हेतु कक्षा 06, 09 एवं 11 में प्रवेश हेतु आवेदन प्रक्रिया आनलाईन सम्पादित की जायेगी। आवेदन फार्म खेल साथी पोर्टल http://khelsathi.in के माध्यम से भरे जायेंगे। आवेदन करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी कालेज की वेबसाइट ssportscol-legelko.in पर उपलब्ध कराये गये लिंक अथवा वेबसाइट http://khelsathi.in पर स्पोर्ट्स कालेज एडमिशन पर क्लिक करके निर्धारित प्रारूप को भरकर एवं आवेदन शुल्क रू0 200 जमा कर आवेदन कर सकता है। आवेदन फार्म में यूडाइस पोर्टल द्वारा निर्गत अभ्यर्थी का पेन नम्बर (परमानेन्ट एजूकेशन नम्बर) अनिवार्य रूप से भरा जायेगा। बिना पेन नम्बर के आवेदन नहीं कर सकता है। अभ्यर्थी की आयु की गणना दिनांक 01.04.2026 से की जायेगी। अभ्यर्थी के शैक्षिक रिकार्ड का परीक्षण यूडाइस प्लस पोर्टल पर उसके पेन नम्बर के आधार पर किया जायेगा। कक्षावार आवेदन हेतु आयु सीमा का विवरण इस प्रकार है- कक्षा 06 के लिए आयु वर्ग 09 से 12 वर्ष अर्थात जन्मतिथि 01.04.2014 से 31.03.2017, कक्षा 09 के लिए आयु वर्ग 12 से 15 वर्ष अर्थात जन्मतिथि 01.04.2011 से 31.03.2014, कक्षा 11 के लिए आयु वर्ग 15 से 17 वर्ष अर्थात जन्मतिथि 01.04.2009 से 31.03.2011 के मध्य होनी चाहिए। उक्त कालेजों में प्रवेश हेतु वाराणसी मण्डल के जनपदों की प्रारम्भिक चयन परीक्षा डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में दिनांक 21-22 मई, 2026 तक प्रातः 7 बजे से एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबाल, कबड्डी एवं तैराकी (केवल बालग वर्ग), हॉकी, जिम्नास्टिक, कुश्ती, वॉलीबाल एवं बैडमिन्टन (बालक एवं बालिका वर्ग) एवं जूडो (केवल बालिका वर्ग) तथा बॉक्सिंग, हैण्डबाल एवं भारोत्तोलन (केवल बालग वर्ग) में आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थी को उ0प्र0 का अधिवासी होना चाहिए तथा अभ्यर्थी केवल अपने मण्डल से ही प्रारम्भिक चयन परीक्षा में आवेदन कर सकता है। प्रारम्भिक चयन परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के प्राप्त अंकों के आधार पर प्रदेश स्तरीय खेलवार एवं श्रेष्ठता सूची तैयार की जायेगी। प्रारम्भिक चयन परीक्षा की श्रेष्ठता सूची कालेज वेबसाइट तथा खेल साथी पोर्टल पर प्रकाशित करायी जायेगी। श्रेष्ठता सूची में चयनित अभ्यर्थी खेलवार निर्धारित तिथि (03-04 जून, 2026 तथा 05-06 जून, 2026) एवं समायानुसार तथा स्थान अनुसार मुख्य चयन परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे। मुख्य चयन परीक्षा की श्रेष्ठता सूची के अनुसार अभ्यर्थियों की केन्द्रीय व्यवस्था के अन्तर्गत जैविक आयु जांच करायी जायेगी।

कीर्तिकुंज ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड को मिला टाइटेनियम डीलर अवार्ड

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल संस्थान कीर्तिकुंज ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के उच्च गुणवत्ता मानकों को पूरा करने पर टाइटेनियम डीलर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड कंपनी की उत्कृष्ट सेवाओं, ग्राहक संतुष्टि और बेहतर प्रदर्शन का प्रमाण माना जा रहा है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में गिरीश चन्द्र यादव (खेल एवं युवा कल्याण मंत्री) उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल कंपनी की सफलता को दशार्ता है, बल्कि जौनपुर जनपद के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान है। कंपनी के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर नन्हेलाल वर्मा ने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और ग्राहकों के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने सभी पत्रकारों, कर्मचारियों और ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त किया। मैनेजिंग डायरेक्टर सनी वर्मा ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सभी मानकों को पूरा कर कंपनी ने यह मुकाम हासिल किया है। वहीं MD/CEO प्रियम वर्मा ने जानकारी दी कि यह पुरस्कार Maruti Suzuki के उच्च अधिकारियों द्वारा मलेशिया में प्रदान किया जाएगा, जिसके लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है।उन्होंने आगे बताया कि कंपनी में बड़ी संख्या में सर्टिफाइड मैनपावर कार्यरत है, जिसमें सर्विस सेक्टर में गोल्ड और सिल्वर सर्टिफाइड स्टाफ तथा सेल्स में L2 लेवल के प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं, जिससे सभी मानकों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका। इस अवसर पर जीएम सेल्स अफजाल सिद्दीकी, सचिन शुक्ला, जीएम सर्विस पियूष यादव, जीएम अकाउंट सुमित वर्मन, सेल्स मैनेजर अनुप श्रीवास्तव, वर्क्स मैनेजर आधेश तिवारी सहित जौनपुर व सुल्तानपुर की पूरी टीम ने मिलकर इस सफलता का जश्न मनाया।

संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल में श्रमिक दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन हुआ

पटना(उत्तरशक्ति)। संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल, दीघा, पटना के सभागार में श्रमिक दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के सभी छात्रा-छात्रा, शिक्षकगण, प्रबंधन के सदस्य तथा चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा श्रम की महत्ता पर आधारित एक लघु-नाटक की भी प्रस्तुति की। अपने संबोधन में निदेशक श्री ग्लेन जॉसेपफ गॉल्स्टेन ने कहा कि श्रम के सहारे ही व्यक्ति या संस्थान अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। श्रम के सहारे ही सृष्टि का निर्माण तथा पुनरुत्थान संभव हो सका है।

मदर्स रेसिपी ने अपने समरवाला शरबत रेंज के साथ बचपन की यादों को फिर से ताजा किया

मुंबई /पुणे। भारत के प्रसिद्ध घरेलू पारंपरिक फूड ब्रांड में से एक मदर्स रेसिपी ने बचपन की गर्मियों की यादों को फिर से ताजा करने के लिए समरवाला शरबत नाम की नई रेंज लॉन्च की है। यह एक ताजगी देने वाली रेंज है, जो उन जाने-पहचाने स्वाद, छोटी-छोटी रिवाजों और खुशियों से प्रेरित है, जो गर्मियों के मौसम को खास बनाते थे। गर्मियां हमेशा ऐसी खास यादें लेकर आती हैं, जो जीवन भर याद रहती हैं।

दोपहर में घर में बिताया गया समय, शाम तक खेले जाने वाले खेल, गिलास में बर्फ गिरने की आवाज और धूप से लौटने के बाद मिलने वाला ठंडा शरबत झ ये सभी छोटे पल हमारे बचपन का हिस्सा बन जाते हैं। समरवाला शरबत के साथ मदर्स रेसिपी उन्हीं जानी-पहचानी और अपनापन देने वाले स्वादों के जरिए वही बचपन वाली बात फिर से अनुभव करने का मौका दे रही है।

इस रेंज में पाँच फ्लेवर्स शामिल हैंः मैंगो पन्ना, रोज सिरप, जीरा मसाला सिरप, खस सिरप और लेमन जिंजर स्क्वैश। ये सभी स्वाद गर्मियों में घरों में लंबे समय से पसंद किए जाने वाले पेयों से प्रेरित हैं। ये सभी मिलकर ऐसी ताजगी देते हैं, जो पहले गर्मियों का एक आम हिस्सा थी और आज भी परिवारों के लिए पुरानी यादों को ताजा कर देती है।

समरवाला शरबत आज के ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, लेकिन इसके पीछे की भावना पुरानी और जानी-पहचानी यादों से जुड़ी हुई है।

मैंगो पन्ना घर के किचन में मिलने वाले कच्चे आम के स्वाद की याद दिलाता है। रोज फ्लेवर परिवारिक समारोहों में दिए जाने वाले मीठे और रंगीन पेयों की याद ताजा करता है। जीरा मसाला अपनी खास पारंपरिक स्वाद के कारण गर्मियों में मिलने वाली ठंडक का अनुभव कराता है। खस फ्लेवर गर्मियों की एक पुरानी और परिचित खुशबू और स्वाद को फिर से महसूस कराता है, जबकि लेमन जिंजर एक हल्का और ताजगी देने वाला विकल्प है, जो रोजमर्रा की पेय आदतों से जुड़ा हुआ है।

समरवाला शरबत रेंज 750 मिलीलीटर ढएळ बोतल में आती है, जिसकी कीमत 215 रुपये है। इसे आसानी से स्टोर किया जा सकता है और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए सुविधाजनक है, इसलिए यह घर में इस्तेमाल करने के साथ-साथ गर्मियों के गेट-टुगेदर के लिए भी एक अच्छा विकल्प है। यह रेंज प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स में उपलब्ध है। इस रेंज के बारे में बात करते हुए मदर्स रेसिपी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संजना देसाई ने कहा, गर्मियों की कुछ यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं क्योंकि वे स्वाद, रोजमर्रा की आदतों और घर से जुड़ी होती हैं।

फोनपे की ऐतिहासिक उपलब्धि: भारत भर में 50 मिलियन रजिस्टर्ड मर्चेंट्स का आंकड़ा पार

मुंबई। भारत के प्रमुख फिनटेक प्लेटफॉर्म फोनपे ने आज एक ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की है। 28 अप्रैल, 2026 तक प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर्ड मर्चेंट्स की संख्या 50 मिलियन के पार पहुँच गई है। यह मील का पत्थर भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में फोनपे की अहम भूमिका को दिखाता है। फोनपे देश के 98% पिन कोड्स तक अपनी पहुँच बना चुका है, यह अब पेमेंट से आगे बढ़कर मर्चेंट सॉल्यूशंस का एक विस्तृत पोर्टफोलियो प्रदान कर रहा है, जो छोटे मर्चेंट को आज की बदलती डिजिटल दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करता है। कंपनी ने इस उपलब्धि का श्रेय छोटे व्यवसायों के लिए डिजिटल एंट्री पॉइंट्स को आसान बनाने के अपने लगातार और कई सालों से चल रहे प्रयासों को दिया है। दफ्कोड्स को लगाने से शुरू करते हुए, फोनपे ने डिजिटल पेमेंट्स अपनाने से जुड़ी ज्यादा लागत को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया। फोनपे बिजनेस ऐप ने मर्चेंट के लिए अपने पेमेंट्स और दैनिक कामकाज को मैनेज करना बेहद आसान बना दिया, और समय के साथ उन्हें लोन, स्मार्टस्पीकर और POS डिवाइस जैसे अन्य बिजनेस सॉल्यूशन्स अपनाने में भी मदद की।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, फोनपे के मर्चेंट बिजनेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर, युवराज सिंह शेखावत ने कहा, कि 50 मिलियन मर्चेंट्स तक पहुँचना, पूरे भारत में मर्चेंट्स के लिए फाइनेंशियल सर्विसेज को और ज्यादा सुलभ बनाने की हमारी कोशिश में एक अहम पड़ाव है। हमारे कई पार्टनर्स के लिए, यह सफर एक साधारण दफ्कोड से शुरू हुआ था, लेकिन तब से यह रिश्ता और मजबूत हो गया है। आज, डिजिटल पेमेंट्स, क्रेडिट के साथ कई तरह की औपचारिक सेवाओं तक पहुँचने का एक जरिया बन गए हैं। हम जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि हम सबसे छोटे मर्चेंट्स के लिए भी फाइनेंशियल इंक्लूजन हासिल कर सकें और वे देश की डिजिटल ग्रोथ में हिस्सा ले सकें। फोनपे के मर्चेंट नेटवर्क की इस तेजी को स्मार्टस्पीकर्स, पॉइंट-ऑफ-सेल (POS) टर्मिनल्स और लोन जैसे आधुनिक सॉल्यूशंस से और भी मजबूती मिली है।

विकास की रफ्तार, कानून का भरोसा : 2027 में फिर बनेगी योगी सरकार

-सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सियासत जैसे-जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रही है, राजनीतिक बयानबाजी भी तेज होती जा रही है। इसी क्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरवर सिद्दीकी ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि प्रदेश में एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी एक वर्ग या मुद्दे की नहीं, बल्कि विकास, सामाजिक सौहार्द और अपराध मुक्त शासन की त्रिवेणी पर आधारित होगी।

सिद्दीकी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बीते वर्षों में उत्तर प्रदेश ने जिस तरह कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में सुधार देखा है, वह अभूतपूर्व है। आज प्रदेश में अपराधियों के मन में भय है और आम नागरिक के भीतर विश्वास। यही भरोसा 2027 में जनादेश में बदलेगा। उन्होंने कहा भाजपा सरकार ने विकास को जाति और धर्म से ऊपर उठाकर देखा है। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का लाभ हर वर्ग को मिला है। पहले योजनाएं कागजों में सिमट जाती थीं, अब जमीन पर उतरती हैं और लोगों के जीवन में बदलाव लाती हैं।

सरवर सिद्दीकी ने दावा किया कि प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज के बीच भी सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अब राजनीति तुष्टिकरण के बजाय सशक्तिकरण की ओर बढ़ी है। सरकार की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के हर जरूरतमंद तक पहुंचा है। यही कारण है कि अल्पसंख्यक वर्ग भी विकास की इस धारा से खुद को जुड़ा महसूस कर रहा है।

सौहार्द बना सबसे बड़ा आधार

उन्होंने प्रदेश में सामाजिक सौहार्द को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनाया। बीते वर्षों में उत्तर प्रदेश ने कई संवेदनशील मौकों को शांति और समन्वय के साथ पार किया है। त्योहारों के दौरान जिस तरह प्रशासन और समाज ने मिलकर काम किया, वह पूरे देश के लिए उदाहरण है। सिद्दीकी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास न तो कोई ठोस एजेंडा है और न ही विकास का विजन। विपक्ष आज भी जातीय समीकरणों और धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति में उलझा है, जबकि जनता अब काम और परिणाम देखना चाहती है।

उन्होंने 2027 के चुनाव को काम बनाम भ्रम की लड़ाई करार दिया। उनके अनुसार, एक तरफ योगी सरकार का रिपोर्ट कार्ड है, तो दूसरी तरफ विपक्ष के वादों का इतिहास। जनता अब समझ चुकी है कि स्थिरता, सुरक्षा और विकास किसके साथ है। सिद्दीकी ने विश्वास जताया कि 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर विकास और सुशासन के पक्ष में मतदान करेगी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश नई ऊंचाइयों को छूएगा।

हैदराबाद कोर्ट का RTV Telugu पर सख्त आदेश, Euro Exim Bank के खिलाफ बदनामी रोकने के निर्देश

हैदराबाद। शहर सिविल कोर्ट ने RTV Telugu और उसके प्रमुख रवि प्रकाश को कड़ी फटकार लगाते हुए Euro Exim Bank के खिलाफ अपमानित और बदनामीपूर्ण आरोपों का प्रसारण तुरंत रोकने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा कि चैनल ने बैंक पर लगाए गए गंभीर आरोपों के समर्थन में कोई विश्वसनीय सबूत पेश नहीं किया। कोर्ट ने सभी पुराने वीडियो और पोस्ट हटाने तथा भविष्य में बिना प्रमाण के कोई भी अपमानजनक सामग्री प्रकाशित न करने के निर्देश दिए।

वैश्विक शॉर्ट-वीडियो मानकों के केंद्र में भारत

मुंबई। ऐसे समय में जब शॉर्ट-फॉर्म वीडियो भारत में कंटेंट उपभोग का प्रमुख माध्यम बन चुका है, इनशॉर्ट्स ग्रुप ने आज घोषणा की कि उसके सह-संस्थापक एवं सीईओ, दीपित पुरकायस्थ, को वर्ष 2026 के लिए [illegible] शॉर्ट वीडियो काउंसिल का सदस्य चुना गया है। इंटरैक्टिव एडवरटाइजिंग ब्यूरो) के नेतृत्व में गठित यह काउंसिल दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत के वरिष्ठ उद्योग नेताओं को एक साथ लाती है, जो तेजी से विकसित हो रहे वीडियो और डिजिटल विज्ञापन इकोसिस्टम के लिए मानक, सर्वोत्तम प्रक्रियाएँ और मापन ढांचे तैयार करते हैं।

फोनपे ने 70 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स का आंकड़ा पार किया; विकास की गति में आई और तेजी

मुंबई। फोनपे ने आज घोषणा की है कि 29 अप्रैल, 2026 तक उसके प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर्ड यूजर्स की कुल संख्या 700 मिलियन (70 करोड़) के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है। यह उपलब्धि भारत में फोनपे की व्यापक पहुंच और इसके डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान की जाने वाली पेमेंट्स और फाइनेंशियल सर्विसेज की विशाल रेंज को दिखाता है। यह कंपनी की लगातार हो रही ग्रोथ को भी दिखाता है, जो ग्राहकों के बढ़ते भरोसे, बाजार में सबसे आगे रहने वाले डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और भरोसेमंद व आसान डिजिटल पेमेंट अनुभव बनाने पर लगातार ध्यान देने कारण संभव हुआ है। इस सफर में जो बात सबसे अलग है, वह न केवल इसकी विशालता है, बल्कि विकास की गति भी है। फोनपे को अपने पहले 1 मिलियन यूजर्स तक पहुँचने में 136 दिन लगे थे, और अब यह उपलब्धि हर 6 दिन में हासिल की जा रही है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 तक, कंपनी ने 56.25% की निरंतर कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट बनाए रखी है, जो यह साबित करता है कि इतने बड़े स्तर पर पहुँचने के बाद भी फोनपे की तरक्की की रफ़्तार लगातार और मजबूत बनी हुई है।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, फोनपे के संस्थापक और CEO समीर निगम ने कहा, अब तक 700 मिलियन रजिस्टर्ड यूजर्स का आंकड़ा पार करना हमारी यात्रा का एक अहम पड़ाव है और यह उस भरोसे को दिखाता है जो पूरे देश के यूजर्स ने हम पर जताया है। हमारे लिए समान रूप से उत्साहजनक बात यह रही है कि जिससे हम आज बढ़ रहे हैं, जो रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल पेमेंट्स की बढ़ती अहमियत को दशार्ती है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा ध्यान ऐसे प्रोडक्ट्स बनाने पर केंद्रित है जो सुरक्षित और सभी के लिए आसान हों, साथ ही हम भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में अपना निरंतर योगदान देते रहें।

घाटकोपर में अवैध फेरीवालों और निर्माण पर मनपा की संयुक्त कार्रवाई

मुंबई। घाटकोपर पश्चिम क्षेत्र के खोत लेन में शनिवार को मनपा की ओर से अवैध फेरीवालों तथा दुकानों के बाहर किए गए अवैध निर्माणों पर संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई सहायक आयुक्त मारुति पवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस दौरान स्थानीय नगरसेवक धर्मेश गिरी भी उपस्थित थे। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले फेरीवालों के खिलाफ तथा अवैध शेड, टीन के छज्जे और अन्य अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई की गई। मनपा की टीम ने कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाकर सड़क और फुटपाथ को साफ व खुला किया। स्थानीय नागरिकों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम कम होगा और पैदल चलने वालों को सुरक्षित व खुला मार्ग मिलेगा। साथ ही नागरिकों ने भविष्य में भी इस तरह की नियमित कार्रवाई जारी रखने की मांग की है। मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि शहर में व्यवस्था और अनुशासन बनाए रखा जा सके।

फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल ने आई.क्यू.ओ.एस को यू.एस. एफडीए ने फिर से मॉडिफाईड रिस्क टोबैको प्रोडक्ट के रूप में अधिकृत करने का किया घोषणा

मुंबई। यू.एस. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने पीएमआई को मॉडिफाइड रिस्क टोबैको प्रोडक्ट (एम.आर.टी.पी) के लिए पहले दी गई मंजूरी को दोबारा रिन्यू कर दिया है। कंपनी इस मंजूरी के तहत आई.क्यू.ओ.एस डिवाइस के दो संस्करण और टोबैको उपभोग्य उत्पाद के तीन वैरिएंट बनाती है, जो हीट्स ब्रांड के अंतर्गत बेचे जाते हैं। इस रिन्युअल द्वारा पीएमआई को उन 21 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों को कम जोखिम वाले संपर्क की जानकारी देते हुए इन उत्पादों को जानकारी साझा करने की अनुमतिमिल गई है, जो सिगरेट जैसे पारंपरिक तंबाकू उत्पाद का सेवन करते हैं। एजेंसी के मुताबिक आई.क्यू.ओ.एस और हीट्स एम.आर.टी.पी अधिकारों का रिन्यूअल जनस्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में उचित कदम है। इससे पूरी आबादी के स्वास्थ्य को लाभ होगा, जिनमें वो लोग भी शामिल हैं, जो तंबाकू उत्पाद का सेवन करते हैं, और वो भी शामिल हैं, जो वर्तमान में इनका सेवन नहीं करते। स्टेसी केनेडी, सीईओ, पीएमआई यू.एस ने कहा, ह्याह्यपीएमआई एकमात्र ऐसी कंपनी है, जिसने अमेरिका में हीटेड तंबाकू उत्पाद के लिए एम.आर.टी.पी अधिकार की मंजूरी प्राप्त की और उसे बनाकर रखा है। हमें विश्वास है कि हमारे विज्ञान पर आधारित विकल्प व्यस्क धूम्रपान करने वालों को पारंपरिक सिगरेट से दूर रहने में मदद कर सकते हैं। एफडीए का यह निर्णय आई.क्यू.ओ.एस के सपोर्ट में मजबूत वैज्ञानिक आधार तथा व्यस्क उपभोक्ताओं को धूम्रपानरहित विकल्प जिम्मेदारीपूर्वक प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। एफडीए, ने आई.क्यू.ओ.एस के लिए एम.आर.टी.पी रिन्यूअल ऑर्डर जारी करते हुए कहा है, ह्याह्यतंबाकू उत्पाद के उपयोग, उसके फैलने और नियंत्रण बारे लंबे समय तक किए गए अध्ययन के बिना अभी तक जो भी प्रमाण उपलब्ध हुए हैं, उनसे प्रदर्शित होता है कि तंबाकू उपयोग करने वाले व्यक्तियों की बीमारी और मृत्यु दर में ठोस और बड़ी कमी आने की संभावना है। आईक्यूओएस 2.4 सिस्टम पहला हीटेड टोबैको प्रोडक्ट था, जिसे साल 2020 में एफडीए की एमआरटीपी प्रक्रिया द्वारा जन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए उचित कहकर अधिकृत किया गया था।

फोर्स मोटर्स ने शानदार वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वैन निमार्ता और प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनी, फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने आज 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025-26 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने अब तक का अपना अभूतपूर्व और सबसे शानदार वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसका मुख्य कारण हर तिमाही में निरंतर बेहतर कार्य-प्रदर्शन, बेहतर ऑपरेटिंग लीवरेज और अपने सभी उत्पाद सेगमेंट में व्यापक विकास रहा है। यह वर्ष फोर्स मोटर्स की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कंपनी के केंद्रित, लचीले और अनुशासित व्यापार संचालन को दशार्ता है। फोर्स मोटर्स का वार्षिक राजस्व 13% की वृद्धि के साथ 9,167 करोड़ रुपये और वार्षिक एइक्ळ्ळ्ऊ्अ 39% की बढ़त के साथ 1,593 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। चौथी तिमाही में राजस्व 2,584 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही से 9% अधिक है। कर पूर्व लाभ के मोर्चे पर, कंपनी ने पूरे वर्ष के लिए 55% की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज करते हुए 1,304 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ, जबकि द4 में यह 373 करोड़ रुपये रहा। हालाँकि द4 का कर पश्चात लाभ 274 करोड़ रुपये दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में सालाना आधार पर -36% दिखा रहा है, लेकिन पूरे वित्तीय वर्ष का कर पश्चात लाभ 51% की शानदार वृद्धि के साथ 1,211 करोड़ रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने पिछले चार वर्षों में बिक्री पर 30% का सुदृढ़ सीएजीआर बनाए रखा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कंपनी पूरी तरह से ऋण मुक्त बनी हुई है, जो इसकी मजबूत वित्तीय स्थिति को दशार्ता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने सभी प्रमुख क्षेत्रों में असाधारण परिचालन सफलता दर्ज की है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में कुल थोक बिक्री में 20% की मजबूत वृद्धि प्रमुख रही। वैन सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत रखते हुए ट्रैवेलर प्लेटफॉर्म ने 70% से अधिक की बाजार हिस्सेदारी के साथ अपना दबदबा बरकरार रखा, जबकि प्रीमियम मोबिलिटी सेगमेंट में 'अर्बानिया' ने 100% से अधिक की शानदार विकास दर हासिल की। कंपनी ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों में भी अपनी पहुंच का विस्तार किया, जहां ट्रैक्स प्लेटफॉर्म को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप वॉल्यूम में 70% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, संस्थागत और रक्षा क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए कंपनी ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए विशेष अनुप्रयोगों से जुड़े महत्वपूर्ण ऑर्डरों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जो कंपनी की बहुमुखी क्षमता और भविष्य की विकास संभावनाओं को दशार्ता है।

चंदौली : प्रेमी के तिलक समारोह में पहुंचकर प्रेमिका ने रुकवाई रश्म

चंदौली (उत्तरशक्ति)। पीडीडीयू नगर में बीती रात एक तिलक समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब एक युवती ने मौके पर पहुंचकर कार्यक्रम रुकवा दिया। अलीनगर थाना क्षेत्र में हाईवे के पास स्थित एक होटल में तिलक की रस्म चल रही थी, तभी युवती के पहुंचते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। युवती ने खुद को दूल्हा बने युवक की प्रेमिका बताते हुए दावा किया कि दोनों पिछले पांच वर्षों से रिश्ते में थे। उसका आरोप है कि युवक ने शादी का वादा किया था, लेकिन अब परिवार के दबाव में दूसरी शादी कर रहा है। इसी बात को लेकर उसने समारोह स्थल पर विरोध दर्ज कराया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उसने पहले ही युवक के खिलाफ यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में युवक जेल भी जा चुका है और हाल ही में जमानत पर बाहर आया है। जमानत मिलने के बाद ही उसके परिवार ने उसकी शादी तय कर दी। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई। अधिकारियों के अनुसार, मामला पहले से न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए आगे की कार्रवाई कोर्ट के आदेश के अनुसार की जाएगी। घटना के बाद युवती ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसका कहना है कि उसकी शिकायत को नजरअंदाज किया गया और उसे सुरक्षा देने के बजाय हाईवे पर छोड़ दिया गया। युवती ने एक पुराने मामले का जिक्र करते हुए बताया कि मऊ जिले में कुछ लोगों ने उस पर केस वापस लेने का दबाव बनाया था और जान से मारने की धमकी दी थी। फिलहाल पूरे मामले की सच्चाई जांच और न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। एसपी आकाश पटेल ने बताया कि मामला न्यायालय के विचाराधिन है। फिलहाल शांति व्यवस्था कायम है।

हाईटेंशन तार की से दुकानदार की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के सरोखनपुर मोहल्ले में शनिवार दोपहर लहभग डेढ़ बजे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 35 वर्षीय नन्हे उर्फ सुधीर चौहान पुत्र त्रिभुवन चौहान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। बताते हैं कि मृतक की समोसा व नाश्ते की दुकान है जिसके ऊपर से ग्यारह हजार की हाई वोल्टेज लाइन गुजरी थी। अचानक तार टूटकर नीचे गिर गया। तार को प्लास की मदद से हटाने के प्रयास में सुधीर चौहान विद्युत करेन्ट की चपेट में आ गया जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गयी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और एक बेटे का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गयी। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाते हुए जांच और उचित कार्रवाई की मांग किया है।

फाइंडबिलिटी साइंसेज' ने डेयरी प्लांट के लिए LactaAI लॉन्च किया

मुंबई। सॉफ्टबैंक समर्थित एंटरप्राइज एआई कंपनी, फाइंडबिलिटी साइंसेज ने LactaAI लॉन्च किया। यह एक इंडस्ट्रियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म है, जिसे विशेष रूप से डेयरी और व्हे प्रोसेसिंग प्लांट के लिए बनाया गया है। प्लांट के पैमाने और उत्पाद मिश्रण के आधार पर, छूंइअक्द्घ को बड़े डेयरी परिचालनों में प्रति प्लांट 2.35 करोड़ रुपये से 28.2 करोड़ रुपये के बीच वार्षिक मूल्य अनलॉक करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह 0.5 से 1.5 प्रतिशत अंकों के उत्पादन में सुधार, वाष्पीकरण और सुखाने की प्रक्रिया में 5 से 10 प्रतिशत ऊर्जा की बचत, और परिचालन एवं वित्त में निर्णय चक्र को छोटा करने के माध्यम से संभव होगा। फाइंडबिलिटी साइंसेज के संस्थापक और सीईओ आनंद माहूरकर ने कहा, डेयरी प्लांटों को अब और अधिक डैशबोर्ड की आवश्यकता नहीं है। उन्हें ऐसे इंटेलिजेंस की जरूरत है जो निर्णय लेने के लिए तैयार हो। उच्च मात्रा वाले डेयरी परिचालन में, उत्पादन में एक प्रतिशत का सुधार भी बड़ा वित्तीय प्रभाव पैदा करता है। छूंइअकको प्लांट डेटा को उन परिचालन निर्णयों में बदलने के लिए बनाया गया है जो लाभ उत्पन्न करते हैं। भारत का डेयरी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। फिर भी, अधिकांश प्लांट दूध की आवक, उत्पादन, गुणवत्ता, उपयोगिताओं और व्यावसायिक प्रणालियों में प्रतिदिन लाखों सिग्नल उत्पन्न करते हैं, जो कभी किसी निर्णय तक नहीं पहुँच पाते। LactaAI वास्तविक समय में तीन सवालों के जवाब देकर उस अंतर को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है: क्या हो रहा है, क्यों हो रहा है, और क्या समायोजित करना है।

उत्तर भारतीय संघ में गूंजा, जय जय महाराष्ट्र माझा, 100 महिलाओं को दी गई सिलाई मशीन

मुंबई। महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर आज उत्तर भारतीय समाज की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी सामाजिक संस्था उत्तर भारतीय संघ द्वारा बांद्रा पूर्व के टीचर्स कॉलोनी स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन में हर्ष और उल्लास के साथ महाराष्ट्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नामी कलाकारों द्वारा गीत संगीत और नाटक प्रस्तुत किए गए। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी उत्तर भारतीय संघ द्वारा महाराष्ट्र की 100 जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सिलाई मशीन का उपहार दिया गया। आज के कार्यक्रम की खास बात यह रही कि अलग-अलग क्षेत्र से चयनित महिलाओं में सबसे अधिक संख्या मराठी महिलाओं की रही। 60 से अधिक मराठी महिलाओं को इस उपहार का लाभ मिला। संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि महाराष्ट्र हमारी कर्मभूमि है। हमें हमारी जन्मभूमि से जितना प्यार है, उतना ही प्यार हमें महाराष्ट्र की धरती से भी है। उन्होंने कहा कि हम सभी महाराष्ट्र के विकास में अपना संपूर्ण योगदान देने के लिए संकल्पित हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक राजहंस सिंह, भाजपा नेता अमरजीत सिंह, कार्याध्यक्ष शारदा प्रसाद सिंह, उत्तर प्रदेश पत्रकार संघ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, ब्रजमोहन पांडे, उपाध्यक्ष डॉ राधेश्याम तिवारी, संजय सिंह, डॉ किशोर सिंह, भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह,रमेश बहादुर सिंह, सुरेंद्र गिरी,अनिल गलगली, बैजनाथ मिश्र, श्रीनिवास तिवारी विद्रोही महाराज, एड.अवनीश सिंह, अजय कुमार सिंह, पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, पत्रकार विजय सिंह कौशिक, पत्रकार राघवेंद्र द्विवेदी, पत्रकार राजकुमार सिंह, पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार अविनाश पांडे, समाजसेवी मानिकचंद यादव, रीनू मल्लाह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संघ के महामंत्री देवेंद्र तिवारी ने किया। अंत में संतोष आरएन सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अयप्पा मंदिर में विरोधपक्ष नेता मनोज पाटिल का 'तुला' समारोह संपन्न

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के विरोधी पार्टी के नेता मनोज पाटिल द्वारा वसई के अयप्पा मंदिर में आयोजित 'तुला' समारोह गुरुवार को उत्साह के साथ खत्म हुआ। समारोह में मनोज पाटिल की पत्नी मौजूद थीं। यह कार्यक्रम भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल सेल के कोऑर्डिनेटर उत्तम कुमार की पहल पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत में, आयोजक उत्तम कुमार ने मनोज पाटिल का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। उसके बाद, गणमान्य लोगों की मौजूदगी में उन्हें तुला देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कॉर्पोरेटर गणेश पाटिल, डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी कपिल म्हात्रे, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, प्रणिल कोप्पिकर, एच. आर. सक्सेना, प्रवीण पाटिल, अजय चौकेकर, सीमा सेंगर, देवी रेड्डी, ऋषि वोरानी, देवन अहीर के साथ-साथ अयप्पा मंदिर के अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन विपक्ष के नेता के तौर पर मनोज पाटिल के कामों की पहचान के लिए किया गया था। मौजूद लोगों ने कहा कि उनके नेतृत्व में नगर पालिका में डेमोक्रेटिक वैल्यूज मजबूत हुई हैं और फैसले लेने की प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी बढ़ी है।

अवॉर्ड के लिए शुक्रिया अदा करते हुए मनोज पाटिल ने कहा, यह अवॉर्ड मेरा नहीं बल्कि वसई-विरार के लोगों का है। लोगों के भरोसे की वजह से ही मैं यह ज़िम्मेदारी निभा पा रहा हूं। मैं भविष्य में भी लोगों के मुद्दों के लिए ईमानदारी से लड़ता रहूंगा। ऑर्गनाइजर उत्तम कुमार ने कहा, विपक्ष के नेता के तौर पर ज़िम्मेदारी संभालते हुए मनोज पाटिल ने लोगों के मुद्दों पर मजबूत स्टैंड लिया है। उन्होंने एक अच्छा उदाहरण पेश किया है कि एक विपक्ष का नेता कैसा होना चाहिए। उनके काम की वजह से नगर पालिका में फैसले लेने का प्रोसेस ज्यादा लोगों पर केंद्रित हो गया है।

SAVWIPL ने बढ़ाया अपना R&D फुटप्रिंट

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (SAVWIPL) ने आज अपने टेक्नोलॉजी सेंटर पुणे के नए विंग का उद्घाटन किया, जो बानेर में स्थित है। इस विस्तार के साथ कंपनी ने भारत में अपने अनुसंधान और विकास (R&D) फुटप्रिंट को और मजबूत किया यह विस्तार स्थानीय इंजीनियरिंग प्रतिभा को बढ़ावा देने, भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद और बाजार की जरूरतों को बेहतर समझने, और तेजी से अनुकूलन व स्केलेबिलिटी सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह SAVWIPL के विजन - मेड इन इंडिया फॉर इंडिया अँड द वर्ल्ड को भी स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करता है। नया बानेर स्थित सेंटर पुणे शहर की प्रमुख लोकेशन में 33,000 वर्ग फुट में फैला है। यह एडवांस्ड व्हीकल डेवलपमेंट, प्लेटफॉर्म इंजीनियरिंग, सॉफ़्टवेयर सॉल्यूशंस और सस्टेनेबल मोबिलिटी इनोवेशन के लिए समर्पित है। यह रणनीतिक विस्तार चाकन प्लांट को पूरक करता है, जिससे कुल इंजीनियरिंग टीम 450 से अधिक हो गई है, जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही है। फॉक्सवैगन ग्रुप के वैश्विक आर एंड डी इकोसिस्टम का हिस्सा और वॉइस ऑफ इंडिया के रूप में, यह नया विंग SAVWIPL की भूमिका को वैश्विक ऑटोमोटिव इनोवेशन में और मजबूत करता है। यह लोकलाइजेशन को बढ़ावा देता है, एक्सपोर्ट मार्केट्स को सपोर्ट करता है और ग्रुप के क्वालिटी, सेफ़्टी और टेक्नोलॉजी के उच्च मानकों को बनाए रखता है। घोषणा पर टिप्पणी करते हुए पियूष अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा,: पुणे में हमारे आर एंड डी फुटप्रिंट का विस्तार भारत यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। नए बानेर विंग के साथ हम एक डायनेमिक अर्बन लोकेशन में अतिरिक्त क्षमता बना रहे हैं और चाकन स्थित टेक्नोलॉजी सेंटर पुणे की मजबूत नींव पर आगे बढ़ रहे हैं। टेक्नोलॉजी सेंटर पुणे का दीर्घकालिक रोडमैप डिजिटलाइजेशन, ऑटोमेशन और एडवांस्ड सेफ़्टी टेक्नोलॉजीज में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने पर केंद्रित है।

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज जयंती पर श्रद्धा पूर्वक किया गया अभिवादन

भिवंडी। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के 29 दिसंबर 2025 के परिपत्रक के अनुसार, गुरुवार 30 अप्रैल 2026 को राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की जयंती के अवसर पर भिवंडी मनपा मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गी। बतादें कि मुख्यालय के तलमजले (भूतल) पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शहर अभियंता जमिल पटेल, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके, नगरसचिव विभाग प्रमुख अजय पाटिल, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, महापौर के विशेष कार्य अधिकारी अजित महाडीक, प्रभाग समिति क्रमांक 4 के सहायक आयुक्त गिरीश घोष्टेकर, शहर विकास प्रमुख समीर जवरे, अतिक्रमण विभाग प्रमुख अरविंद घुगरे, वाहन विभाग प्रमुख प्रशांत संख्ये तथा स्वास्थ्य विभाग प्रमुख जे. एम. सोनावणे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

पल्सर 180 की वापसी, अब नए ग्राफिक्स, एलईडी हेडलैंप और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ

पटना। दुनिया की सबसे वैल्यूएबल टू- और थ्री-व्हीलर कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित मोटरसाइकिलों में से एक, पल्सर 180 की वापसी की घोषणा की। नए ग्राफिक्स, एलईडी हेडलैंप, ब्लिंकर्स और ब्लूटूथ कनेक्टेड डिजिटल कंसोल के साथ पल्सर 180 एक बार फिर राइडर्स की मांग के चलते लौट आई है। अब यह पहले से ज्यादा शार्प और बेहतर अवतार में पेश की गई है, ऐसे समय में जब पल्सर ब्रांड अपने दो अहम मॉडल–पल्सर 150 और पल्सर 180 के लॉन्च के 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। यह वापसी अपने आप में एक महत्वपूर्ण पड़ाव को दशार्ती है। जब पल्सर 180 लॉन्च हुई थी, तब इसने भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइक्लिंग के नए मानक तय किए थे। इसने ज्यादा पावर वाली बाइक्स का अनुभव रोजमर्रा की उपयोगिता के साथ जोड़ा। पल्सर ने देश में स्पोर्ट्स मोटरसाइक्लिंग के एक नए दौर की शुरूआत की। पल्सर 180 वही बाइक रही, जिसने पल्सर ब्रांड और उसकी पहचान को आकार दिया। पल्सर 180 एक बार फिर उसी डेरिंग स्पिरिट के साथ लौट रही है। तेज-तर्रार स्टाइल, बेहतर परफॉर्मेंस और एलईडी हेडलैंप, ब्लिंकर्स तथा ब्लूटूथ कनेक्टेड डिजिटल कंसोल जैसे आधुनिक फीचर्स के साथ यह दमदार अनुभव पेश करती है। 150-160सीसी सेगमेंट की बाइक्स चलाने वाले राइडर्स के लिए यह एक बेहतरीन अपग्रेड के रूप में सामने आती है, जो परफॉर्मेंस, दमदार लुक और वैल्यू, तीनों में एक सही संतुलन देती है। घोषणा पर बात करते हुए, बजाज ऑटो लिमिटेड के एमसीबीयू प्रेसीडेंट सारंग कानडे ने कहा, पल्सर ब्रांड हमेशा से सीमाओं को आगे बढ़ाने और भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइक्लिंग को नई दिशा देने का प्रतीक रहा है।